दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 । अंक: 262 जयपुर, शनिवार, 31 अगस्त, 2024 । भाद्रपद, कृष्ण पक्ष-त्रयोदशी, विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

पैरालंपिक्स में पहले दिन भारत का चौका: तीन पदक निशानेबाजों को और एक एथलीट ने भी दिखाया कमाल

राजस्थान की बेटियों अवनी लेखरा ने गोल्ड और मोना अग्रवाल ने जीता ब्रॉन्ज

-अवनी ने पैरालंपिक्स में अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर रचा इतिहास, लगातार दो पैरालंपिक्स में सोना जीतने वाली पहली इंडियन बनीं -शूटर मनीष ने सिल्वर और एथलीट प्रीतिपाल ने जीता ब्रॉन्ज

एजेंसी | पेरिस

पेरिस पैरालंपिक 2024 के दूसरे दिन शुक्रवार को भारत ने एक-एक स्वर्ण और रजत के साथ दो ब्रॉन्ज मेडल जीत मेडल्स का चौका लगाया। देश की इदस उपलब्धि में राजस्थान की बेटियों अवनी लेखरा और मोना अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। अवनी लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में नए रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीत इतिहास रचा। वहीं वे लगातार दो पैरालंपिक में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय शूटर बन गई हैं। अवनी ने फाइनल राउंड में 249.7 का स्कोर करके स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया है। उनके अलावा मोना अग्रवाल ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। इनके अलावा भारतीय निशानेबाज मनीष नरवाल ने मेन्स 10 मीटर एयर पिस्टल में सिल्वर मेडल हासिल किया, तो, प्रीति पाल ने वुमंस 100 मीटर रेस (T35) में ब्रॉन्ज मेडल हासिल कर भारत के पदकों की संख्या का चौका लगाया।

कड़ी टक्कर में सोना निकाल कर लाई अवनी

अवनी लेखरा और दक्षिण कोरिया की युनरी ली के बीच आखिरी शॉट तक बेहद कड़ी टक्कर देखने को मिली। अवनी लेखरा टोक्यो पैरालंपिक्स फाइनल में 249.6 का स्कोर करके गोल्ड मेडल जीत नया पैरालंपिक रिकॉर्ड कायम किया था। अब पेरिस पैरालंपिक्स में अवनी ने अपने ही रिकॉर्ड को बेहतर (249.7) किया।

हमें गर्व है हमारी बेटियों पर: राज्यपाल और मुख्यमंत्री

राज्यपाल राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्यपाल ने पेरिस पैरालिंपिक की आर-2 महिला 10 मीटर एयर राइफल (एसएच-1) शूटिंग स्पर्धा में अवनी लेखरा को स्वर्ण पदक एवं मोना अग्रवाल को कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है। राजस्थान की बेटियों ने पेरिस पैरालिंपिक में पदक जीतकर प्रदेश एवं देश का मान बढ़ाया है। हमें इन बेटियों पर गर्व है। राज्यपाल ने कहा इन दोनों की जीत महिला शक्ति की विजय है। दोनों ने मनीष नरवाल और प्रीति पाल को भी बधाई दी।

मनीष-प्रीति का भी दिखा जलवा

मेन्स 10 मीटर एयर पिस्टल (SH1) में सिल्वर मेडल हासिल करने वाले निशानेबाज मनीष नरवाल ने टोक्यो पैरालंपिक गेम्स में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए P4 मिक्स्ड 50 मीटर पिस्टल एसएच-1 इवेंट में गोल्ड हासिल किया था। भारत को शुक्रवार को एक और मेडल दिलाने वाली प्रीति पाल ने वुमंस 100 मीटर रेस (T35) में यह उपलब्धि हासिल की।

जरूरी खबर

दो से ज्यादा बच्चों वाले कर्मचारियों के प्रमोशन पर रोक

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय के शुक्रवार को हुए उस फैसले से प्रदेश कैबिनेट के उस फैसले पर सवालिया निशान खड़ा हो गया है, जिसमें दो से ज्यादा बच्चों वाले राज्य कर्मचारियों को प्रमोशन देने की बात थी। हाईकोर्ट ने उस फैसले पर रोक लगा दी है। हाई कोर्ट ने उस आदेश पर अंतरिम रोक लगाई है, जिसमें सरकार इन कर्मचारियों को बैक डेट से प्रमोशन दे रही थी। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश संतोष कुमार और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। इस आदेश से हजारों कर्मचारी प्रभावित होंगे।

आज से केरल में संघ की तीन दिवसीय बैठक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वयक बैठक 31 अगस्त से 2 सितंबर तक केरल के पलक्कड़ में आयोजित की जानी है। तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वयक बैठक में संघ के सभी सहयोगी संगठन के पदाधिकारी शामिल होंगे। इस बैठक से पहले छोटी बैठकों का दौर शुरू हो गया है। छोटी बैठक जिसे संघ टोली बैठक कहा जाता है। इसमें संघ प्रमुख सहित सरकार्यवाह एवं सभी 6 सह सरकार्यवाह एवं केंद्रीय प्रतिनिधि इसमें शामिल हुए हैं।

मुंबई में 'राइजिंग राजस्थान' 'इन्वेस्टर मीट', संबोधन में सीएम भजनलाल बोले...

पांच वर्ष में राजस्थान बनेगा 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था

सीएम ने की उद्योगपतियों से आमने-सामने बातचीत

- राजस्थान सरकार ने राज्य में निवेश के लिए 4.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के एमओयू पर किए हस्ताक्षर
- अदानी ग्रुप, वेदांता ग्रुप, जेएसडब्लू ग्रुप, टाटा ग्रुप, वारी ग्रुप, डालमिया ग्रुप, स्टार सीमेंट जैसे कई बड़े उद्योगपतियों के साथ एमओयू किए गए

बेधड़क | मुंबई/जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 'विकसित राजस्थान' का होना जरूरी है। राजस्थान अपार संभावनाओं वाला प्रदेश है, जहां प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संसाधन हैं। इसके अलावा हमारे राज्य में स्किल्ड वर्क फोर्स की भरमार है और यहां निवेश के असीमित अवसर हैं। मैं निवेशक समुदाय, कॉर्पोरेट्स और बाकी अन्य संस्थानों को हमारे खूबसूरत राज्य में आने के लिए आमंत्रित करता हूं। आइए और राजस्थान सरकार की निवेशकों के अनुकूल नेक्स्ट जेनरेशन नीतियों का लाभ उठाइए।"

4.5 लाख करोड़ से अधिक के एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समिट के पहले 'इन्वेस्टर मीट' में ही हमने राज्य में 4.5 लाख करोड़ रुप से अधिक के निवेश हेतु एमओयू पर आज हस्ताक्षर किए हैं। निवेशकों और उद्योग जगत का दृढ़ विश्वास यह बताता है कि राजस्थान में संभावनाएं अपार हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि अगले 5 वर्षों में ही हम राज्य को 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बना सकने में सक्षम होंगे।"

राजस्थान में केवल निवेशक ही वीआईपी

इस अवसर पर राजस्थान सरकार के उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में केवल एक ही वीआईपी है, वह है राजस्थान में निवेश करने वाला निवेशक। राजस्थान के विकास के अपने सपने को साकार करने के लिए हमारे पास राजनीतिक इच्छाशक्ति है। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 को बड़ी सफलता बनाने के लिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ाया है।"

बड़े उद्योगपतियों से मुख्यमंत्री की हुई बात

'इन्वेस्टर मीट' के बाद माननीय मुख्यमंत्री शर्मा ने देश के कई बड़े उद्योगपतियों से भी मिले और उन्हें राजस्थान में निवेश करने तथा निवेशकों के लिए बनाए जा रहे अनुकूल इको सिस्टम और नीतियों का उपयोग करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में महिंद्रा एवं महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनन्द महिंद्रा, जेएसडब्लू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल, प्रॉक्टर एंड गैम्बल के भारत और दक्षिण एशिया के मैनेजिंग डायरेक्टर कुमार वेंकटासुब्रमण्यिन, वेदांता ग्रुप की नॉन-एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और हिंदुस्तान जिंक की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल, एस्सार ग्रुप के ग्रुप डायरेक्टर अंशुमान रुइया, अवादा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल, इमैजिका एंटरटेनमेंट के सीईओ धीमंत बख्शी, और यूपीएल लिमिटेड के राज तिवारी शामिल रहे।

इन बड़ी कंपनियों ने लिया भाग

'राजस्थान राइजिंग' ग्लोबल समिट 2024 के पहले घरेलू 'इन्वेस्टर मीट' में भाग लेने वाले प्रमुख व्यापारिक नेताओं में अदानी सीमेंट्स और अदानी पोर्ट्स, एसईजेड और लॉजिस्टिक्स के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अदानी, टाटा केमिकल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री आर. मुकुंदन, टाटा पावर के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ. प्रवीर सिन्हा, हिंदुस्तान जिंक के सीईओ और वेदांता लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक अरुण मिश्रा, जेके सीमेंट के उप प्रबंध निदेशक और सीईओ माधव सिंघानिया, जेएसडब्लू एनर्जी के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ शरद महेंद्रा, सेरेंटिका रिन्यूएबल्स के सीईओ अक्षय हीरानंदानी और कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के पश्चिमी क्षेत्र की अध्यक्ष स्वाति सालगांवकर वगैरह शामिल थे।

ये रहे मौजूद: इस दौरान मुख्यमंत्री और उद्योग मंत्री के अलावा, राजस्थान सरकार के कई शीर्ष अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें सीएस सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के एसीएस शिखर अग्रवाल, उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव और रीको के अध्यक्ष अजिताभ शर्मा, उद्योग विभाग और ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन के आयुक्त रोहित गुप्ता भी थे। इस अवसर पर, माननीय मुख्यमंत्री ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 की आधिकारिक वेबसाइट - https://rising.rajasthan.gov.in/ - भी लॉन्च की।

राज्य के प्रति निवेशकों का बढ़ा भरोसा

राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत ने कहा, ""राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 तहत हमने स्ट्रेटिजिक सेक्टर्स और राज्य में निवेश के लिए मौजूद अवसरों की पहचान कर रखी है। 'विकसित राजस्थान' @ 2047 की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राज्यपाल, मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सहित कई हस्तियों ने जताया शोक

रैवासा पीठाधीश्वर राघवाचार्य ब्रह्मलीन, शोक की लहर

बेधड़क | जयपुर

सीकर जिले में स्थित रैवासा पीठाधीश्वर राघवाचार्य महाराज का शुक्रवार सुबह निधन हो गया है। राघवाचार्य महाराज को बाथरूम में दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उन्हें तुरंत सीकर के अस्पताल में ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उनके निधन की पुष्टि कर दी। राघवाचार्य महाराज के देवलोकगमन से न केवल सीकर जिले में, बल्कि देशभर में

उनके लाखों अनुयायियों में शोक की लहर दौड़ गई है। राघवाचार्य ने अपना जीवन धार्मिक और सामाजिक सेवा में समर्पित किया।

सनातन के प्रचार में लगा जीवन: CM

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने भी राघवाचार्य के निधन पर शोक जताया है। सीएम भजनलाल शर्मा ने एक्स पर लिखा- स्वामी राघवाचार्य जी महाराज ने अपने जीवनकाल में सनातन धर्म के प्रचार और धार्मिक संस्कृति को सहेजने के लिए अद्वितीय योगदान दिया। उनके कार्य और उपदेश हमेशा से समाज को दिशा देते रहे हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

अपूरणीय क्षति: मदन राठौड़

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने रेवासा धाम में स्वामी राघवाचार्य महाराज के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की और गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक गुरु और मार्गदर्शक स्वामी राघवाचार्य महाराज के निधन से संपूर्ण सनातन और आध्यात्म जगत शोक में डूब गया।

'सच बेधड़क' के चेयरमैन विनायक शर्मा ने जताया शोक, कहा- एक महान गुरु खो दिया

'सच बेधड़क' के चेयरमैन विनायक शर्मा ने शोक जताते हुए 'एक्स' पर लिखा, "परमपूज्य गुरुजी रैवासा पीठाधीश्वर संत राघवाचार्य जी महाराज के देवलोकगमन का समाचार सुनकर स्तब्ध हूं। उन्होंने सदैव मुझे पुत्रवत प्रेम किया है, उनका आशीर्वाद सदैव मुझ पर बना रहा। वे एक महान आध्यात्मिक गुरु और विद्वान थे, उनके निधन से समाज ने एक महान गुरु को खो दिया।"

प्रेसवार्ता

भाजपा समाज की एकजुटता के लिए प्रतिबद्धः मदन राठौड़

- जनप्रतिनिधियों के व्यवहार में शालीनता और धैर्य जरूरी
- इन गुणों से किसी भी आवेशित व्यक्ति को भी किया जा सकता है शांत
- प्रदेश में राजनैतिक गठजोड नहीं, लेकिन विकास के लिए सदैव तत्पर

बेधड़क | जयपुर

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने व्यवहार में शालीनता और धैर्य रखना चाहिए, क्योंकि शालीनता से किसी भी आवेशित व्यक्ति को शांत किया जा सकता है। जनप्रतिनिधि जनता के सेवक है और जनसेवक बनकर ही सेवा भाव से प्रत्येक नागरिकों की समस्या के समाधान का प्रयास करना चाहिए। वहीं, दूसरी ओर राठौड़ ने आगामी उप चुनावों में बिना किसी गठबंधन के चुनाव लड़ने का दावा करते हुए कहा कि उपचुनावों में भाजपा किसी भी ऐसे दल या राजनैतिक पार्टी के साथ गठबंधन करने वाली नहीं है, जो समाज को तोड़ने का कार्य करती है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

असंयमित व्यवहार नहीं होना चाहिए

राठौड़ ने बिना नाम लिए कांग्रेस विधायक रफीक खान के समर्थकों द्वारा पूर्व सैनिक की पिटाई की घटना पर कहा कि राजधानी में एक शौर्य चक्र सम्मानित पूर्व सैनिक फरियाद लेकर जनप्रतिनिधि के पास पहुंचता है और वहां उसकी समस्या का समाधान तो दूर उसके साथ मारपीट जैसी घटना जनप्रनिधियों के असंयमित व्यवहार को दर्शाता है। जनप्रतिनिधियों को नागरिकों के साथ व्यवहार में संयम बरतना चाहिए। समस्या का समाधान नहीं होने पर शांति एवं शालीनता से समझाइश की जानी चाहिए। आवेशित फरियादी की शालीनता से फरियाद सुनी जाए तो वह भी शांत हो जाएगा। ऐसे में प्रदेश के सभी जनप्रतिनिधियों से मेरा निवेदन है कि जनसेवक बनकर जनता की सेवा करें और उनकी समस्याओं का समाधान करें।

समाज को तोड़ने वालों का समर्थन नहीं

राठौड़ ने बीएपी से गठबंधन पर कहा कि भाजपा प्रदेश के विकास के लिए सभी जनप्रतिनिधियों के सहयोग के लिए तैयार है, लेकिन किसी भी ऐसे राजनैतिक दल से सहयोग नहीं किया जाएगा जो समाज को तोड़ने का कार्य कर रहे हैं। इतना ही नहीं, समाज में विभाजन को लेकर वर्ग विशेष के लोगों को भ्रमित करने का कार्य कर रहे हैं, लेकिन बीजेपी सबका साथ, सबका प्रयास और सबका विकास की नीति पर कार्य करते हुए समाज को एकजुट करने के संकल्प के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में फिर चाहे कोई भी राजनैतिक दल या राजनेता समाज को तोड़ने का कार्य करेगा तो हमें इस पर आपत्ति है। भाजपा उसको सहयोग नहीं करेगी।

ये रहे मौजूद: इस दौरान मंच पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, भाजपा प्रदेश मंत्री अजीत मांडण, महेंद्र कुमावत और प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ उपस्थित रहे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

जरूरी खबर

एससी की जमीन को खुर्द-बुर्द करने का आरोप

जयपुर। सांगानेर तहसील के भांकरोटा ग्राम में अजमेर रोड के नजदीक लगती हुई एससी की 50 करोड़ रुपए की जमीन को एसटी के नाम हस्तांतरित करने के मामले में तहसीलदार को निलंबित करने की मांग की है। कांग्रेस राज में एससी की जमीन को खुर्द-बुर्द करने के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है। भांकरोटा गांव में अजमेर रोड से लगती हुई एससी की करोड़ों जमीन को एसटी के नाम हस्तांतरित होने पर भी अकृषिक रूप में रूपातंरित कर दिया गया, जबकि हाईकोर्ट की जयपुर बैंच में वाद दायर कर रखा है।

सहकारिता सेवा के 75 अधिकारी हुए पदोन्नत

जयपुर। आरपीएससी अजमेर में आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में 75 अफसरों को पदोन्नत किया गया है। वर्ष 2023-24 में सहकारिता सेवा के 29 अधिकारियों एवं 2024-25 में 46 अधिकारियों को पदोन्नत किया गया है। वर्ष 2023-24 के लिए संयुक्त रजिस्ट्रार से अतिरिक्त रजिस्ट्रार के पद पर 1, उप रजिस्ट्रार से संयुक्त रजिस्ट्रार के पद पर 2, सहायक रजिस्ट्रार से उप रजिस्ट्रार के पद पर 9 तथा सहकारी निरीक्षक से सहायक रजिस्ट्रार के पद पर 17 अधिकारियों को पदोन्नत किया गया है। वर्ष 2024-25 के लिए अतिरिक्त रजिस्ट्रार से अतिरिक्त रजिस्ट्रार (सीनियर स्केल) के पद पर 3, संयुक्त रजिस्ट्रार से अतिरिक्त रजिस्टार के पद पर 7, उप रजिस्ट्रार से संयुक्त रजिस्ट्रार के पद पर 10 अधिकारियों को पदोन्नत किया गया है।

डिप्टी सीएम आज आमजन के बीच मनाएंगे जन्मदिन

जयपुर। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा शनिवार को अपना 55वां जन्मदिन मनाएंगे। उप मुख्यमंत्री अपने दिन की शुरुआत मोती डूंगरी गणेश मंदिर से करेंगे और दोपहर बाद अपने विधानसभा क्षेत्र दूदू के श्री शैलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में आमजन के बीच जन आशीर्वाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। शनिवार सुबह मोती डूंगरी गणेश मंदिर और मानसरोवर स्थित वीर तेजाजी महाराज मंदिर के दर्शन के बाद बैरवा का बाणयावाली स्थित गोशाला जाने का कार्यक्रम है। इसके बाद विधानसभा क्षेत्र दूदू के विभिन्न स्थानों, मंदिरों के दर्शन एवं आमजन के बीच अपना जन्मदिन मनाएंगे।

राज्यपाल ने बीएसएफ के जवानों से किया संवाद... जज्बे और हौसले की सराहना की

बागडे ने ऐतिहासिक हिंदुमलकोट चौकी का किया निरीक्षण

बेधड़क | जयपुर/श्रीगंगानगर

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को श्रीगंगानगर स्थित ऐतिहासिक हिंदुमलकोट चौकी और सीमा क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भारत-पाकिस्तान सीमा की इस महत्वपूर्ण चौकी से सरहद क्षेत्र का अवलोकन करते हुए वहां तैनात बीएसएफ के जवानों से संवाद किया।

उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी रात-दिन निरंतर मुस्तैद रहकर देश की रक्षा करने की उनकी प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए उनका अभिनंदन किया। राज्यपाल बागडे ने हिंदुमलकोट बोर्डर पर तैनात सैनिकों से संवाद करते हुए सीमा की चौकसी से जुड़ी चुनौतियों और अन्य रक्षा मुद्दों पर चर्चा की।

उन्होंने जवानों में जोश जगाते हुए उनके जज्बे और हौसले की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी देश के सुरक्षा प्रहरी ही नहीं हैं बल्कि राष्ट्र की अखंडता व एकता के भी प्रतीक हैं। राज्यपाल ने बीएसएफ जवानों द्वारा चौकी पर किए गए सौंदर्यीकरण, हेरिटेज वॉल और हरे-भरे परिसर के कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने वहीं वार म्यूजियम भी देखा। उन्होंने हिंदुमलकोट गांव के प्राचीन अवशेषों और ऐतिहासिक महत्व से जुड़ी इमारतें देखी। उन्हें बताया गया कि विभाजन से पहले यह क्षेत्र बड़ा व्यापारिक केंद्र था। पुरानी रेल की पटरियां, रेलवे स्टेशन के बारे में भी बताया गया।

आंतरिक सुरक्षा समन्वय की बैठक ली

राज्यपाल बॉर्डर पर आंतरिक सुरक्षा समन्वय बैठक भी ली। उन्होंने इस दौरान हिंदुमलकोट थाना क्षेत्र के अंतर्गत पकड़े जाने वाले नशीले पदार्थों, अवैध हथियारों की चर्चा करते हुए कहा कि देश की सीमाओं पर चौकसी जितनी जरूरी है, उतना ही आवश्यक यह है कि हमारे यहां आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को भी रोका जाए। उन्होंने बीएसएफ और पुलिस प्रशासन को संयुक्त रूप से मिलकर सीमापार से ड्रोन द्वारा हेरोईन और अन्य चीजें भेजे जाने पर पूरी निगरानी रखने और स्थानीय लोगों से सतत सम्पर्क में रहते हुए आंतरिक सुरक्षा में बाधक विषयों पर सजग रहते हुए कार्य करने पर जोर दिया।

दो दिवसीय स्टेट लेवल पुलिस ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस का समापन

अपराध रोकने के लिए पुलिस तैयार करेगी ‘साइबर सिटीजन’

- पुलिसिंग विद एक्सीलेंस-द वे फॉरवर्ड की थीम पर चला चिंतन मनन का दौर
- मंथन से निकले निष्कर्ष और सुझावों पर बनेगा प्रदेश में बेहतर पुलिसिंग का रोडमैप

बेधड़क | जयपुर

‘पुलिसिंग विद एक्सीलेंस-द वे फॉरवर्ड’ की थीम पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में शुक्रवार को दो दिवसीय स्टेट लेवल पुलिस ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस का समापन हुआ। इसके तकनीकी सत्रों में पुलिस अफसरों और विषय विषेषज्ञों के प्रेजेंटेशंस, ग्रुप डिस्कसंस, खुली चर्चाओं और क्वेश्चन-आंसर सेशंस में चिंतन-मनन के निष्कर्षों के आधार पर प्रदेश में और बेहतर पुलिसिंग का रोडमैप तैयार किया गया है।

कॉन्फ्रेंस में आए सुझावों और अनुशंसाओं से प्रदेश में बेहतर पुलिसिंग के लिए नीति निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। कांन्फ्रेंस के दूसरे दिन आयोजित तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता करते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने कहा कि सेशंस में गहन मंथन से कई महत्वपूर्ण सुझाव निकलकर सामने आए हैं। पुलिस मुख्यालय के स्तर से इन सुझावों और अनुशंषाओं को समाहित करते हुए एक ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा। इसे आने वाले दिनों में अंतिम रूप देकर उच्च स्तर पर भेजा जाएगा। डीजीपी साहू ने तकनीकी सत्रों के दौरान प्रदेश में अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा के लिए प्रदेश की पुलिस टीम की सक्सेस स्टोरीज और केस स्टडीज की सराहना करते हुए पुलिस जवानों की पीठ थपथपाई। उन्होंने कहा कि अपराध की रोकथाम के लिए अपराधियों और उनके फॉलोअर्स को तलाशने, संदिग्धों की पहचान और अन्य लिंकेजेज की पड़ताल जैसी कार्वाइयों को लगातार जारी रखा जाए।

‘डिजिटल सिटीजन’ तैयार करने के लिए साझा कैंपेन का सुझाव

ऑर्गेनाइजेशन कमेटी की चेयर पर्सन एवं एडीजी (ट्रेनिंग) मालिनी अग्रवाल ने बताया कि कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन साइबर सिक्योरिटी, डार्क वेब, साइबर क्राइम इंवेस्टिगेशन एवं क्रिप्टो करेंसी के विषयों पर एडीजी (टी एंड टी) बिपिन कुमार पांडे के नेतृत्व में आईजी साइबर क्राइम शरत कविराज के साथ पुलिस ऑफिसर्स ने ग्रुप प्रेजेंटेशन दिया। इस सत्र की अध्यक्षता डीजी (एसीबी) रवि प्रकाश मेहरड़ा ने की। इस सत्र में यह बात प्रमुख रूप से उभरकर आई कि आने वाले समय में साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रदेश में डिजिटल लिटरेसी और अवेयरनेस के लिए कैंपेन चलाते हुए नागरिकों को ‘डिजिटल सिटीजन’ के तौर पर सक्षम बनाने की जरूरत है। इसके लिए सभी स्तरों पर साझा प्रयास किए जाएं। सेशन में सोशल मीडिया पर पुलिस के स्तर से ‘डिजिटल लाइजनिंग ग्रुप’ बनाकर लोगों में विश्वास और जागरूकता के लिए ‘पॉजिटिव ट्रेंड्स’ चलाने के बारे में भी सुझाव दिया गया। इस सत्र के गेस्ट स्पीकर आईपीएस अधिकारी एवं आई4सी के सीईओ राजेश कुमार और आईपीएस एवं एसवीपीएनपीए के डिप्टी डायरेक्टर भूषण बोरास थे। उन्होंने साइबर सिक्योरिटी, डाटा वेब, साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन विद स्पेशल रेफरेंस टू साइबर स्लेवरी, क्रिप्टो करेंसी, ब्लॉक चैन एवं बिटकॉइन जैसे विषयों पर ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण दिए। इसमें क्रिप्टो करेंसी से जुड़े फ्रॉड के मामलों की तहकीकात से लेकर पंचनामा तैयार करने में ध्यान रखने योग्य बिंदुओं को रेखांकित किया गया। साथ ही इस सत्र में भरतपुर रेंज के आईजी राहुल प्रकाश के निर्देशन में साइबर अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए गए ‘ऑपरेशन एंटी वायरस’ के बारे में विशेष प्रस्तुतीकरण दिया गया।

एजीटीएफ की सक्रियता से संगठित अपराधों पर नकेल

‘इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ क्राइम इन राजस्थानः इवोलविंग ए यूनिफाइड स्ट्रेटेजी टू कॉम्बेट इंटर एंड इंट्रा स्टेट गैंग्स’ पर एडीजी क्राइम दिनेश एमएन की अगुआई में आईजी क्राइम ब्रांच प्रफुल्ल कुमार और पुलिस ऑफिसर्स की टीम द्वारा दिए गए प्रेजेंटेशन में प्रदेश में संगठित अपराधों की पृष्ठभूमि, मौजूदा परिदृश्य और उस पर नियंत्रण के लिए गत महीनों में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसमें बताया गया कि पुलिस की गैंगस्टर्स और उनसे जुड़े लोगों पर सतत कार्रवाई और सक्रिय प्रयासों से प्रदेश में गैंगवार और संगठित अपराध के प्रकरणों में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी और इनके उपभोग की रोकथाम के लिए संचालित अभियान में भारी मात्रा में अफीम, गांजा एवं डोडा पोस्त के साथ सिंथेटिक ड्रग्स और मेडिकेटेड ड्रग्स की भी जब्ती की गई है। सत्र के मॉडरेटर एडीजी (आर्म्ड बटालियन) आनंद श्रीवास्तव थे।

पेपरलीक पर SIT के एक्शन से लौटा युवाओं में विश्वास

डीजीपी साहू की अध्यक्षता में आयोजित ‘कॉपिंग विद चैलेंजेस ऑफ चीटिंग इन कॉम्पीटीटिव एक्जामिनेशनः नीड फोर मल्टी डाइमेंशनल अप्रोच’ सेशन में एटीएस एवं एसओजी के एडीजी वीके सिंह के नेतृत्व में दिए गए प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि राज्य सरकार द्वारा गत 16 दिसंबर को इस मामले में गठित एसआईटी की सतत और प्रभावी कार्वाइयों के सकारात्मक नतीजे सामने आए हैं। एडीजी सिंह ने बताया कि एसआईटी के एक्शन से जो लर्निंग हुई है, उसे अन्य प्रदेशों के साथ भी साझा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पेपरलीक के मामलों की जानकारी देने के लिए एसओजी द्वारा जो हेल्पलाइन बनाई गई है, उस पर युवा और आमजन खुलकर तथ्यों के साथ में उपयोगी सूचनाएं साझा करते हैं। इनके आधार पर एसआईटी ने कार्रवाई को अंजाम दिया है, जिससे लोगों में यह विश्वास कायम हुआ है कि उनको सुना और समझा जा रहा है तथा उनकी सूचना पर एसओजी प्रभावी एक्शन ले रही है। इस सत्र के मॉडरेटर एडीजी (कार्मिक) संजीब कुमार नार्जरी थे।

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला...

दो से ज्यादा संतान वाले कर्मचारियों की पदोन्नति पर लगाई अंतरिम रोक

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाई कोर्ट ने कार्मिक विभाग के 16 मार्च, 2023 की अधिसूचना के आधार पर दो से ज्यादा संतान वाले कर्मचारियों को संबंधित सालों से पदोन्नत करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में कार्मिक विभाग, प्रमुख गृह सचिव और डीजीपी सहित अन्य से जवाब मांगा है।

जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश बारां व झालावाड़ के पुलिसकर्मी संतोष कुमार व जयदीप की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। खंडपीठ ने राज्य सरकार से पूछा है कि किसी भी कर्मचारी की योग्यता को उसकी सेवा के पिछले सालों से कैसे तय किया जा सकता है?। हाईकोर्ट के इस अंतरिम आदेश से 125 सरकारी विभागों के कर्मचारी प्रभावित होंगे।

कार्मिक विभाग ने निकाली थी अधिसूचना

याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता शोभित तिवाड़ी ने बताया कि राज्य सरकार ने 1 जून 2002 या इसके बाद दो से ज्यादा संतान वाले सरकारी कर्मचारियों को तीन व पांच अवसरों तक पदोन्नति से वंचित रखा था, वहीं कार्मिक विभाग ने 16 मार्च 2023 को एक अधिसूचना निकालकर कहा कि किसी भी कर्मचारी को केवल ज्यादा संतान होने के चलते पदोन्नति से वंचित नहीं किया जा सकता। ऐसे में जिन कर्मचारियों को पदोन्नति से वंचित किया है, उन्हें उनके पदोन्नति वर्ष से ही इसका लाभ दिया जाएगा।

हाई कोर्ट में दी चुनौती

इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि पिछली तारीखों से किसी भी कर्मचारी की योग्यता के संबंध में अधिसूचना जारी नहीं की जा सकती, वहीं इस अधिसूचना के जरिए वो कर्मचारी पदोन्नत होंगे, जिन्हें पहले अयोग्य माना जा चुका है। इस कारण याचिकाकर्ताओं की पदोन्नति भी प्रभावित होगी और वे वरिष्ठता में उनसे नीचे चले जाएंगे, इसलिए 16 मार्च 2023 की अधिसूचना के आधार पर दो से ज्यादा संतान वाले कर्मचारियों को पदोन्नति नहीं दी जाए। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने इस अधिसूचना के आधार पर किसी भी कर्मचारी को आगामी आदेश तक पदोन्नति नहीं देने के आदेश देते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

47 फर्मों पर 94 हजार 500 रुपए का जुर्माना

जयपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा चलाये जा रहे कंज्यूमर केयर अभियान में 47 फर्मों पर विधिक माप विज्ञान अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की गई। इनमें 34 फर्मों पर सत्यापन प्रमाण पत्र एवं सत्यापित बाट माप नहीं पाए गए। टीमों ने फर्मों के विरुद्ध मौके पर ही नोटिस जारी कर 94 हजार 500 रुपए का जुर्माना लगाया। कंज्यूमर केयर अभियान 31 अगस्त तक नियमित रूप से चलाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य व्यापारियों को उपभोक्ताओं के व्यापक हित में सही माप तौल करने के लिए प्रेरित करने के साथ ही उपभोक्ताओं को उनके मूल अधिकारों के बारे में सूचित किए जाने तथा उपभोक्ता शिक्षा का प्रसार करना है।

एसीबी की कार्यशैली पर फिर उठे सवाल

होमगार्ड को झूठे रिश्वत केस में फंसाया...साजिश रच ACB से कराया ट्रैप

- झूठे सत्यापन को ही सच मान किया जवान को ट्रैप
- प्लाट की डील को परिवादियों ने बताई घूस की डिमांड
- जयपुर मुख्यालय में शिकायत के बाद हुआ खुलासा

बेधड़क | जयपुर

प्लाट की डील के एडवांस राशि को रिश्वत के नोट बताकर तीन जनों द्वारा एक होमगार्ड के जवान को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से ट्रैप करा दिया। पीड़ित होमगार्ड जवान के परिजनों ने शुक्रवार को जयपुर एसीबी मुख्यालय में शिकायत की तो अफसरों ने आनन-फानन में जांच की तो इस मामले का खुलासा हुआ। यह एसीबी के इतिहास का पहला मामला है, जिसमें ट्रैप की कार्रवाई गलत हुई है। ऐसे में एसीबी के जिम्मेदार अफसरों की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई से पहले सत्यापन करने में कोताही बरत दी और परिवादियों ने जो कहानी बनाई, उसका सच मानकर ट्रैप की कार्रवाई कर दी। अब एसीबी पीड़ित जवान सहजुदीन खान को रिहा करेगी। मामला अलवर होमगार्ड कमांडेंट कार्यालय का है। एसीबी ने जांच के बाद सहजुदीन के खिलाफ शिकायत करने वाले महबूब अली, मकसूर और कपिल के खिलाफ अलवर के शिवाजी पार्क थाने में धोखाधड़ी करने का केस दर्ज कराया है। अब पुलिस आरोपियों के खिलाफ करेगी।

साले को होमगार्ड में परमानेंट कराने की एवज में मांगी घूस: एसीबी

दरअसल एसीबी में 22 अगस्त को महबूब अली और उसके साथियों ने शिकायत की थी। आरोप था कि होमगार्ड में कार्यरत सिपाही सहजुदीन महबूब के साले को होमगार्ड में सिपाही के पद पर परमानेंट कराने के लिए 3 लाख रुपए की घूस मांग रहा है। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन कराया।

सत्यापन के दौरान सहजुदीन ने एडवांस राशि 30 हजार रुपए की डिमांड की थी, लेकिन सत्यापन में यह स्पष्ट नहीं था कि उसने होमगार्ड में परमानेंट कराने की एवज में मांगी थी। एसीबी के अधिकारियों ने बिना जांच पड़ताल के ही सहजुदीन को गुरुवार को कचहरी परिसर में महबूब व उसके साथियों से जब 30 हजार रुपए लिए तो ट्रैप कर लिया।

शिकायत हुई तो पोल खुली

पीड़ित सहजुदीन के परिजनों ने एसीबी मुख्यालय में ट्रैप की झूठी कार्रवाई करने और महबूब और उसके साथियों द्वारा फंसाने की शिकायत की थी। इसके बाद एसीबी के डीजी ने मामले की जांच के आदेश दिए। इसके बाद अलवर एसीबी चौकी के अधिकारियों ने सत्यापन के दौरान की गई रिकॉर्डिंग की जांच की तो सामने आया कि सहजुदीन महबूब व उसके साथियों से परमानेंट कराने के लिए कोई घूस नहीं मांग रहा था। एसीबी ने सहजुदीन व महबूब और उसके साथियों से पूछताछ की तो सामने आया कि सहजुदीन ने महबूब व उसके साथियों से 450 गज के तीन प्लाट का सौदा किया था। उन प्लाट के बैचान पर एडवांस राशि मांगी थी और महबूब व उसके साथियों ने एडवांस राशि 30 हजार सहजुदीन को दी थी, लेकिन एसीबी ने घूस लेना समझ कर ही ट्रैप की कार्रवाई कर दी। अब एसीबी मामले को निरस्त करेगी।

जरूरी खबर

कल से 450 रुपए में मिलेगा रसोई गैस सिलेंडर

जयपुर। राजस्थान में नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट से जुड़े परिवारों को भजनलाल सरकार एक सितंबर से सस्ते रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाएगी। सरकार ने बजट में बीपीएल और उज्जवला कनेक्शनधारियों के साथ NFSA परिवारों को भी 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने की घोषणा की थी। सरकार के इस निर्णय से अब करीब 68 लाख परिवारों को और फायदा होगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की गाइडलाइन के मुताबिक हर परिवार को हर महीने एक सिलेंडर 450 रुपए में दिया जाएगा। हालांकि, इन परिवारों को सिलेंडर डिलीवरी करने वाले को तो उतने ही पैसे देने पड़ेंगे जितना सामान्य परिवार देते हैं, लेकिन डिफरेंस राशि यानी सब्सिडी का पैसा सरकार लाभार्थी के सीधे खाते में ट्रांसफर करेगी।

30 स्थानों से हटाए अतिक्रमण, 4 ट्रक सामान जब्त

जयपुर। हेरिटेज नगर निगम की सतर्कता शाखा ने शुक्रवार को अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार ट्रक सामान जब्त कर 36 हजार रुपए वसूले हैं। हेरिटेज निगम के सतर्कता उपायुक्त पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि सतर्कता शाखा की ओर से अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। दस्ते ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए गोविंद मार्ग, सेठी कालोनी, ट्रांसपोर्ट नगर, खोले के हनुमान जी, दिल्ली रोड, रामगढ़ मोड़ तक अभियान चला कर 30 से ज्यादा स्थानों से सड़क और बरामदे से अस्थाई अतिक्रमण हटाया। इस दौरान राजस्व निरीक्षक बैद्यनाथ कौशिक के नेतृत्व में दस्ते ने चार ट्रक सामान जब्त किया और 36 हजार रुपए चालान वसूला।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार

आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...

अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं

news@sachbedhadak.com

पर E- Mail करें।

जयसिंहपुरा खोर छापर की ढाणी में मूवमेंट से लोगों में दहशत

लेपर्ड के डर से घरों में कैद जनता, वन विभाग ने लगाया पिंजरा

बेधड़क | जयपुर

जयसिंहपुरा खोर छापर की ढाणी इलाके में गुरुवार को लेपर्ड का मूवमेंट देखा गया। इसके बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग को भी इसकी जानकारी दी, जिसके बाद वन विभाग की टीम में मौके पर पिंजरा लगाकर कर्मचारियों को तैनात किया है।

छापर की ढाणी निवासी अमित कुमार सैनी ने बताया कि गुरुवार को लेपर्ड का मूवमेंट सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है, जिसे वन विभाग के कर्मचारियों को भी दे दिया गया है। लेकिन, अब तक लेपर्ड उनकी पकड़ में नहीं आया है। इसकी वजह से पूरे इलाके में रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल है। लोग अपने घरों से बाहर निकलने में भी डर रहे हैं। ऐसे में हम सरकार से मांग करते हैं कि इस पूरे मामले में प्रसंज्ञान लेते हुए जल्द से जल्द आबादी क्षेत्र में पहुंचे लेपर्ड को पकड़ कर दूर पहुंचाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो मजबूरन हमें आंदोलन की राह पर आगे बढ़ना पड़ेगा।

कैमरे में कैद मूवमेंट

फाइल फोटो

भटक कर पहुंच जाते हैं आबादी में

डिस्ट्रिक्ट फारेस्ट ऑफिसर जगदीश गुप्ता ने बताया कि गर्मी के दिनों में भोजन और पानी की तलाश में लेपर्ड कई बार वन क्षेत्र से भटक कर आबादी इलाके में पहुंच जाता है। जयसिंहपुरा खोर इलाका भी अरावली पर्वत श्रृंखला से सटा हुआ है। जहां लेपर्ड मूवमेंट की जानकारी मिली है। इसके बाद वन विभाग द्वारा इलाके में पिंजरा लगाने के साथ ही कर्मचारियों के मूवमेंट को बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही वन विभाग के कर्मचारी लेपर्ड को सर्च करने में भी जुटे हुए हैं। ताकि समय रहते उसे पकड़ कर आबादी से दूर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जा सके।

नहीं रुक पा रहा मूवमेंट

बता दें कि जयपुर मी झालाना और आमागढ़ लेपर्ड रिजर्व होने की वजह से बड़ी संख्या में लेपर्ड का मूवमेंट रहता है। जयसिंहपुरा खोर इलाके से पहले लेपर्ड मूवमेंट दिल्ली रोड, जमवारामगढ़, मालवीय नगर झालाना इलाके में नजर आ चुका है। इस दौरान लेपर्ड कई बार मवेशियों और जंगली जानवरों को अपना शिकार बन चुका है। तो वहीं जमवारामगढ़ इलाके में मासूम बच्चे को भी मौत के घाट उतार चुका है। बावजूद इसके वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी आबादी क्षेत्र में पहुंच रहे लेपर्ड के मूवमेंट को रोकने में नाकामयाब साबित हो रहे हैं।

मुंबई में हुई पहली इन्वेस्टर मीट में सीएम ने दी जानकारी

जयपुर में बनेगी फिल्मसिटी... 4 घंटे में ही की जमीन फाइनल

बेधड़क | जयपुर

■ फिल्म निर्माता-निर्देशक केसी बोकाड़िया ने सीएम को दिया था प्रस्ताव

राजस्थान में फिल्मसिटी बनेगी। इसके लिए सरकार की ओर से जमीन भी फाइनल कर दी गई है, वह भी मात्र चार घंटे में। यह जानकारी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुंबई में हुई पहली इन्वेस्टर मीट में उद्योगपति और निवेशकों को संबोधित करते हुए दी। बता दें कि फिल्मसिटी बनाने की जिम्मेदारी प्रदेश के जाने-माने बॉलीवुड फिल्म निर्माता-निर्देशक केसी बोकाड़िया को दी गई ही।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार की कथनी और करनी में अंतर नहीं है। हमारी सरकार केवल एमओयू करने में नहीं, उन्हें धरातल पर उतारने में विश्वास रखती है। सीएम ने कहा कि मैं आपको इतना विश्वास दिलाता हूं कि आप जो कहेंगे, उसे जितना जल्दी हो सकेगा, उतना जल्दी पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं आपको एक उदाहरण बताता हूं। दो दिन पहले मेरे से मिलने फिल्म निर्माता केसी बोकाडिया आए थे। उन्होंने कहा कि मुझे जयपुर में फिल्म सिटी बनानी है। वह मेरे पास दिन में करीब 12:30 बजे पहुंचे थे। उस दिन मेरी कैबिनेट की मीटिंग थी। मैंने उनसे कहा कि मैं मीटिंग में जा रहा हूं, आप जमीन देखकर आइए। मैंने उनके साथ दो अधिकारी भेजे। सीएम ने कहा कि कैबिनेट की मीटिंग खत्म होने के बाद वो मेरे पास आए। हमने उन्हें 4 जगह जमीन दिखाई। उन्हें जमीन पंसद आई। हमने उसी दिन 4 घंटे में जमीन को फाइनल करके कह दिया कि आप आइए, जयपुर में फिल्म सिटी बनाइए। उन्होंने यस करके कहा कि मैं यहां फिल्म सिटी बनाऊंगा।

2005 से चल रही है निर्माण की बात

जयपुर में साल 2005 में फिल्म सिटी का प्रोजेक्ट आया था। आगरा रोड पर सुमेल गांव में 900 बीघा जमीन पर फिल्म सिटी का निर्माण प्रस्तावित किया गया था। इस योजना पर उस समय करीब 900 करोड़ रुपए खर्च करने की बात की गई थी। उस समय जयपुर विकास प्राधिकरण ने इस बारे में जमीन अवाप्ति को लेकर भी कवायद शुरू की थी। ऐसी चर्चा हुई की फिल्म सिटी का दायरा रामगढ़ तक बढ़ाया जाएगा, लेकिन तब से ही यह प्रोजेक्ट महज चर्चाओं का हिस्सा बना रहा। अब नये सिरे से हुई प्रक्रिया ने उम्मीद जगाई है।

रोजगार के खुलेंगे विकल्प

अगर जयपुर में फिल्म सिटी का निर्माण होता है तो राजस्थान में उद्योग जगत को भी नए आयाम मिलेंगे। स्थानीय कलाकारों को रोजगार मिलेगा तो जेवरात टेक्सटाइल और पर्यटन को भी नए आयाम स्थापित करने के लिए एक राह तैयार होगी। एक फिल्म सिटी के जरिए लाखों रोजगार के विकल्प जयपुर में पैदा किए जा सकते हैं। हिंदी पट्टी में मुंबई में बॉलीवुड के बाद जयपुर में जॉलीवुड क्या सपना भी साकार हो सकता है। बस जरूरत है तो सरकार और हुक्मरानों की मजबूत इच्छाशक्ति की और फिल्मकारों के नजरों करम की।

लालकोठी थाने में एफआईआर

जेल प्रहरी ने ड्यूटी के बाद जेल में फैंके 22 मोबाइल

बेधड़क | जयपुर

सेंट्रल जेल में जेलप्रहरी के ही मोबाइल पहुंचने का मामला सामने आया है। ड्यूटी के बाद जेल प्रहरी ने ही पैकेट में बांधकर मोबाइल जेल के अंदर फेंके थे। जेल में फैफे गए तीन पैकटों में मिले 22 मोबाइल को जब्त किया है। जेल प्रशासन की ओर से लालकोठी थाने में शुक्रवार शाम FIR दर्ज करवाई गई है। एसएचओ लालकोठी श्रीनिवास जांगिड़ ने बताया- जेल प्रशासन की ओर से शुक्रवार शाम जेल प्रहरी संजय के खिलाफ FIR दर्ज करवाई गई है। शिकायत में बताया गया है कि आरोपी संजय पिछले काफी समय से जेल में प्रहरी के पद पर तैनात है। गुरुवार रात को ड्यूटी पूरी कर वह घर चला गया था। देर रात करीब 2:30 बजे से 3:30 बजे के बीच वह वापस जेल के पास पहुंचा। जेल की दीवार के पास से करीब एक घंटे के अंतराल में तीन पैकेट फैंके। तीसरे पैकेट को फेंकने के दौरान ड्यूटी पर तैनात दूसरी जेल प्रहरी ने उसे देख दिया।

पकड़े जाने के डर से आरोपी जेल प्रहरी संजय वहां से भाग निकला। जेल के अंदर चैक करने पर फैके गए तीन पैकेट में 22 मोबाइल रखे मिले। जेल प्रशासन की ओर से परिसर में मिले मोबाइल को जब्त किया गया। जेल प्रहरी संजय के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

बरसात में भी ड्यूटी...

जयपुर। राजधानी में शुक्रवार रात को तेज हवा के साथ बारिश हुई। रात करीब साढ़े 9 बजे अचानक मौसम में बदलाव आया। इसके बाद बरसात शुरू हो गई। बरसात शुरुआत में थोड़ी धीमी रही, लेकिन बाद में तेज हो गई। इस दौरान बरसात में भी स्वच्छता प्रहरी नालों के मुंह से कचरा हटाते नजर आए, ताकि पानी सड़कों पर नहीं भरे।

जयपुर में दिल्ली-अजमेर पुलिया पर हुआ हादसा, चालक बचा

डिवाइडर तोड़ 20 फीट नीचे गिरा ट्रेलर

बेधड़क | जयपुर

दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस पुलिया से एक ट्रेलर 20 फीट नीचे सर्विस लाइन पर पानी के टैंकर पर गिर गया। हादसे में टैंकर ड्राइवर के कंधे में फ्रैक्चर हो गया। उसे प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। एक्सीडेंट थाना (वेस्ट) के हेड कॉन्स्टेबल महावीर ने बताया- हादसा शुक्रवार शाम करीब 4:50 बजे हुआ।

दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस पुलिया पर एक खाली ट्रेलर अजमेर की ओर जा रहा था। पुलिया पर ओवर स्पीड ट्रेलर बेकाबू हो गया। डिवाइडर कूदते हुए दूसरी तरफ लेन में आकर ट्रेलर पुलिया की दीवार तोड़कर निवारू रोड स्थित नेहा मोटर्स के पास सर्विस लाइन पर गिर गया। इसी दौरान सर्विस लाइन से गुजर रहा पानी का टैंकर उसके नीचे दब गया। पुलिया ने नीचे ट्रेलर के पानी टैंकर पर गिरने से तेज धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनकर दुकानों में बैठे लोग बाहर निकल आए। दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को देखकर घटनास्थल पर पहुंचे। हादसे की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को देने पर एक्सीडेंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के बाद ट्रेलर ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

एक्सीडेंट में टैंकर ड्राइवर चंदालाल सैनी (40) निवासी हरियाली ढाणी शिवपुरी झोटवाड़ा के कंधे में फ्रैक्चर हो गया। हादसे के बाद जाम लग गया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को हटाया। पुलिस को एक्सप्रेस पुलिया के ऊपर भी एक क्षतिग्रस्त कार भी खड़ी मिली है। पुलिस क्षतिग्रस्त कार के ड्राइवर के साथ ही ट्रक ड्राइवर की तलाश कर रही है।

छोटी काशी में मनाई गई बछ बारस

संतान की लंबी उम्र के लिए किया गाय-बछड़े का पूजन

बेधड़क | जयपुर

छोटी काशी में शुक्रवार को महिलाओं ने बछ बारस मनाई। शहर की महिलाओं ने पारंपरिक परिधान धारण कर गाय-बछड़े का पूजन किया और अपने संतान की लंबी उम्र की कामना की। साथ ही बछ बारस की कहानी भी सुनी। मान्यता है कि बछ बारस पर पूजा करने के साथ व्रत करने से दोगुना फल मिलता है और निःसंतान को संतान की प्राप्ति भी होती है।

हिंदू पंचांग के अनुसार जन्माष्टमी के चार दिन बाद भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की द्वादशी को बछ बारस मनाई जाती है, जिसे गोवत्स द्वादशी भी कहते हैं, क्योंकि भगवान श्री कृष्ण को गाय और बछड़ों से प्रेम था। मान्यता भी है कि गाय में सैकड़ों देवी-देवता निवास करते हैं, ऐसे में उनका पूजन करने से घर में खुशहाली और संपन्नता आए, इसके लिए राजस्थान में ये पर्व मनाया जाता है।

टोलियों में गोशाला पहुंची महिलाएं

यह पर्व खास करके महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। शुक्रवार को जयपुर में ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां महिलाएं गली मोहल्लों से टोली बनाकर गौशाला या उन घरों में पहुंची जहां गाय बछड़े पाले जाते हैं। यहां उन्होंने गाय और बछड़े की पूजा की उनके रोली का टीका लगाकर, मोटे अनाज (चना, मोठ, मूंग, बाजरे) का भोग लगाया।

नहीं लगाया सब्जी में तड़का

राधिका देवी ने बताया कि उनके घर की बड़ी बुजुर्ग भी इस पर्व को मानते आए हैं। उन्हीं से प्रेरणा लेकर आस-पड़ोस की महिलाओं के साथ मिलकर गाय बछड़े की पूजा की। मान्यता है कि इस पूजा को महिलाएं संतान प्राप्ति और संतान की दीर्घायु के लिए करती है। हाथ में मोटा अनाज लेकर कहानी सुनती है। वहीं, इस दिन महिलाएं घरों में ना तो चाकू, कैची आदि का इस्तेमाल करती हैं और ना ही खाने में तड़का या छोंकन लगाती हैं। शांति देवी ने बताया कि उनके गांव में बछ बारस पूजने का इतना चलन नहीं था, लेकिन जयपुर में इसकी खासी मान्यता है और इस परंपरा का निर्वहन करते हुए उन्होंने भी आज बच्चों की दीर्घायु के लिए गाय बछड़े की पूजा की है।

सात दिन में 100 जर्जर निर्माण कराएंगे खाली

बेधड़क | जयपुर

अगले 7 दिनों में नगर निगम द्वारा अभियान चलाकर हेरिटेज क्षेत्र में जर्जर हो चुके 100 से ज्यादा निर्माण खाली कराए जाएंगे। साथ ही हेरिटेज निगम क्षेत्र में जोन स्तर पर अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए सभी जोन उपायुक्त सर्वे कर अवैध निर्माणों को सीज करेंगे।

दरअसल जवाहर नगर शॉपिंग सेंटर में दो मंजिला इमारत गिरने के बाद अब नगर निगम प्रशासन एक्टिव मोड में आया है। नगर निगम कमिश्नर अभिषेक सुराणा ने कहा कि जवाहर नगर में हुए हादसे की जांच की जा रही है। इस हादसे में जो भी लोग दोषी होंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुछ लोगों से इस तरह की शिकायत भी मिली थी कि यहां नियमों के विपरीत निर्माण किया जा रहा था। ऐसे में अगर नगर निगम के अधिकारियों की लापरवाही इसमें सामने आएगी उनके खिलाफ भी एक्शन लिया जाएगा। इसके साथ ही नगर निगम हेरिटेज क्षेत्र में जितनी भी जर्जर इमारतें हैं। उन सभी को ढहाने (तोड़ने) के लिए जोन स्तर पर उपायुक्त को निर्देश दिए हैं, ताकि भविष्य में इस तरह का कोई भी हादसा ना हो सके। सुराणा ने कहा- इसके साथ ही जितने अवैध निर्माण है। उनके खिलाफ सीज की कार्रवाई की जाएगी।

जरूरी खबर

भीलवाड़ा में हिंदू समाज ने किया विरोध प्रदर्शन

भीलवाड़ा। जिला मुख्यालय पर 25 अगस्त को धर्म स्थल के बाहर गाय की पूंछ फेंकने के मामले में हिंदू समाज और गो-भक्तों का आक्रोश चरम पर पहुंच गया है। बजरंगी चौराहा स्थित सूचना केंद्र पर शुक्रवार शाम को बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से न लेते हुए केवल खानापूर्ति के लिए एक विमंदित व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जबकि असली अपराधी अब भी बाहर घूम रहे हैं।

बछ बारस पर किया गाय और बछड़े का पूजन

चाकसू। उपखंड क्षेत्र में शुक्रवार को बछ बारस श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। महिलाओं ने सुबह मंगल गीत गाते हुए गाय व बछड़े के भाल पर तिलक लगाकर विधि-विधान के साथ उनका पूजन किया। गायों को चूनरी ओढ़ाई। इसके मोहल्लों में घर के आगे गाय के गोबर से बनी तलाई बनाकर उसमें पानी भरा और बछ बारस की कथा का श्रवण किया। मान्यता है कि बछ बारस करने से बेटों की उम्र लंबी होती है और उनके जीवन में खुशहाली रहती है। गौरतलब हैं कि भाद्रपद महीने में कृष्ण पक्ष की बारस यानी द्वादशी तिथि को बछ बारस या गोवत्स द्वादशी के दिन गाय और बछड़े की पूजा की जाती है।

ट्रेन के चपेट में आने से महिला की मौत

चाकसू। शिवदासपुरा थाना इलाके में शुक्रवार को ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महिला संतोष जाट झुंझुनूं निवासी थी। दोपहर को ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। घटना की सूचना पर आरपीएफ और शिवदासपुरा पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि महिला के साथ 12 वर्ष का बालक भी था, लेकिन उसको मामूली चोटें आई। उसे महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मृतक महिला महात्मा गांधी अस्पताल में नर्सिंग का कार्य करती थी। हालांकि अभी तक मौत के कारणों का पता नहीं लगा है। पुलिस ने महिला के शव को महात्मा गांधी अस्पताल में रखवा कर परिजनों को सूचित कर दिया।

ग्रामीणों को खेतों में मिले टाइगर के पंजे के निशान... मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम

हरियाणा से टाइगर पहुंचा कोटकासिम के गांव भगाना

बेधड़क | अलवर

सरिस्का के बफर जोन से निकला टाइगर एसटी 2303 हरियाणा से अब वापस राजस्थान की सीमा में आ गया। खैरथल तिजारा के कोटकासिम स्थित भगाना गांव के खेतों में शुक्रवार को टाइगर के पंजों के निशान मिले हैं। ग्रामीणों ने देखते ही इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पगमार्क देखने के बाद टाइगर के होने की पुष्टि की हैं। इसके बाद से ग्रामीणों को सतर्क कर दिया हैं। सरिस्का टाइगर रिजर्व के रेंजर शंकर सिंह शेखावत ने बताया कि पगमार्क टाइगर के ही है। टाइगर हरियाणा से झाबुआ के जंगलों से कोटकासिम की ओर मूवमेंट कर चुका है। फिलहाल टाइगर भगाना के बाजरे खेतों में है। ऐसे में अभी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, लेकिन टाइगर दिखा नहीं है। सरिस्का की टीम सहित अन्य टीम के सभी लोग मौके पर हैं। शेखावत ने कहा कि उन्होंने आसपास के गांव के किसानों से अपील किया कि खेतों में काम करते वक्त सावधानी बरतें। अगर उन्हें कोई टाइगर का मूवमेंट दिखाई दे तो वह इसकी जानकारी वन विभाग को देवें। आसपास गांव के लोगों और किसानों को सचेत रहने की आवश्यकता है।

झाबुआ का जंगल आया पसंद

टाइगर को हरियाणा का जंगल पसंद आ गया हैं। क्योंकि वहां टाइगर नहीं होने के कारण वह अकेला वहां का राजा हैं। बताया जाता हैं जंगल में टाइगर के लिए शिकार भी आसानी से उपलब्ध हो जाता हैं। क्योंकि यहां हिरण, नीलगाय सहित अन्य जानवर हैं। इस कारण टाइगर को यह जंगल रास आ रहा हैं। जंगल भगाना गांव से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। एसटी 2303 का 15 दिन बाद वापस लौटने का मूवमेंट मिला हैं। 15 अगस्त को बाघ सरिस्का से निकला था। पहले मुंडावर के दरबारपुर गांव में गया। उसके बाद यह रात को ही हरियाणा में पहुंच गया। झाबुआ गांव के जंगल में टाइगर छिप गया था। सात माह पहले जनवरी में भी यह टाइगर हरियाणा पहुंचा था। सरिस्का सहित कई टीम ने लगातार बाघ का पीछा किया, लेकिन वह पकड़ में नहीं आया और स्वयं ही वापस आ गया था। माना जा रहा है कि अब भी टाइगर स्वयं ही वापस आ जाएगा।

सरिस्का का पहला टाइगर पहुंचा हरियाणा

यह सरिस्का का पहला टाइगर है जो सरिस्का से करीब 100 किमी दूर पहुंच गया है। पहले भी यह हरियाणा पहुंचा था। इसकी टैरेटरी सरिस्का कोर एरिया में नहीं थी। यह बाला किलो बफर जोन के आस-पास के एरिया में था। वहां से रेवाड़ी क्षेत्र के गांवों में पहुंच गया, जो करीब 80 किलोमीटर दूर है। इससे पहले टाइगर एसटी 24 जयपुर से अचरोल तक गया है। उससे पहले टाइगर एसटी 13 राजगढ़ के आगे तक चला गया था।

जोधपुर एयरबेस में शुरू हुआ वायु सेना का हवाई अभ्यास

'तरंग शक्ति' का आगाज

बेधड़क | जोधपुर

मल्टीनेशन एयर एक्सरसाइज तरंग शक्ति-2024 के दूसरे चरण का शुक्रवार को आगाज जोधपुर एयरबेस से हुआ। इस हवाई अभ्यास में भारत सहित सात देश जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, यूएई, हंगरी की वायुसेना का दल हिस्सा ले रहे है। तेजस, सुखोई-30 एमकेआई के साथ लूफ्टवाफे जर्मन एयरफोर्स और स्पेनिस एयरफोर्स के यूरोफाइटर टाइफ़ून एक्सरसाइज करेंगे। तरंग शक्ति युद्धाभ्यास का प्रथम चरण 6 से 14 अगस्त तक तमिलनाडू के सुलुर एयरफोर्स स्टेशन पर हुआ था, जिसमें अधिकांश यूरोपीय देश ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और स्पेन शामिल हुए थे। भारत की सैन्य शक्ति के विकास और ग्लोबल अलांयस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के उद्देश्य से इंडियन एयरफोर्स की मेजबानी में हो रहे इस युद्धाभ्यास से अन्य देशों की वायु सेना के बीच समन्वय बढ़ेगा। तरंग शक्ति की मेजबानी करके भारत सैन्य मजबूती और ताकत के साथ सुरक्षा ग्लोबल डिफेंस इकोसिस्टम में भागीदारी निभाने का संदेश दे रहा है। इससे इंटर ऑपरेटीबिलिटी के साथ इंटेरिगेशन को बढ़ावा मिलेगा। इस एक्सरसाइज से दुश्मन देश को कड़ी चेतावनी मिलेगी।

कई देशों के एयरफोर्स चीफ आएंगे जोधपुर

मल्टीनेशन एयर एक्सरसाइज तरंग शक्ति-2024 में 11 और 12 सितबर को मुख्य देशों की एयरफोर्स के चीफ जोधपुर आएंगे और भारतीय वायुसेना अध्यक्ष वीआर चौधरी के साथ एक-दूसरे देशों के लड़ाकू विमान उड़ाएंगे। पहली बार जोधपुर के आसमान में दुनिया की सबसे शक्तिशाली अमेरिकी एयरफोर्स चीफ जनरल डेविड डब्ल्यू एल्विन हमारा तेजस उड़ाएंगे। उनके अलावा ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स चीफ एयर मार्शल स्टीफन चैपल, जापानी एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के चीफ जनरल हिरोआकी उच्कुरा, यूएई डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इस्सा अल मजरूई और भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर मार्शल वीआर चौधरी एक-दूसरे के लड़ाकू विमान उड़ाएंगे।

भारतीय हथियारों का होगा प्रदर्शन

भारत में बने हथियारों और लड़ाकू हेलिकॉप्टर व जहाज का प्रदर्शन दुनिया के सामने होगा। तमिलनाडु के सुलूर एयरबेस में प्रचंड और तेजस ने जलवा बिखेरा था। अब पश्चिमी राजस्थान की आबोहवा में विश्व की शक्तिशाली एयरफोर्स के सामने स्वदेशी फाइटर तेजस और अटैक हेलिकॉप्टर प्रचंड की ताकत दिखाई जाएगी। एक्सरसाइज के दौरान विदिन विजयुल रेंज (वीवीआर) कॉम्बेट मिशन, बीवीआर (बियोंड विजयुल रेंज) मिशन, लार्ज फोर्स इंगेजमेंट, एयर मोबिलिटी ऑपरेशन्स, डायनेमिक टारगेटिंग, एयर टू एयर रिफ्यूलिंग मिशन, कॉम्बेट सर्च एंड रेस्क्यू जैसे कई मिशन का अभ्यास किया जाएगा।

सूर्य किरण व सारंग का प्रदर्शन 7 को

युद्धाभ्यास के दौरान सात सितबर को पब्लिक डे के दिन केवल भारतीय वायसुेना के विमान ही प्रदर्शन करेंगे। सूर्यकिरण टीम 9 हॉक विमानों के साथ भाग लेगी। सारंग टीम अभी मिश्र गई हुई है। उसके मिश्र से सीधा जोधपुर आने की संभावना है।

खेत जोतने की रंजिश को लेकर की थी हत्या

हत्या के 15 साल पुराने केस में पांच को उम्रकैद

बेधड़क | चूरू

हत्या के 15 साल पुराने मामले में एडीजे कोर्ट ने पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सभी दोषी एक ही परिवार के हैं। इन पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। अपर लोक अभियोजक केडी चारण ने बताया कि किसनाराम (28) पुत्र रामलाल जाट निवासी सडू छोटी ने 11 मार्च 2009 को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में रिपोर्ट दी थी कि 10 मार्च, 2009 को वह और उसका भाई भंवरलाल जाट (35) खेत से गांव में फेमिन योजना का हफ्ता लेने आए थे।

उसी समय खेत जोतने की रंजिश को लेकर गांव के रामेश्वरलाल (66), गंगाराम (60), सुखाराम (50) पुत्र चतराराम जाट, गोपाल (31) पुत्र गंगाराम और गिरधारीलाल (40) पुत्र रामेश्वरलाल ने शराब पीकर गालियां दी। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद वे काम में लग गए।

रात करीब एक बजे होलिका दहन करके वह और उसका भाई भंवरलाल खेत में जा रहे थे। तभी धमकी देने वाले पांचों लोग गांव के सार्वजनिक भवन के पास बरछी, तलवार, कुल्हाड़ी व लाठियां लेकर आए और भंवरलाल पर हमला

कर मारपीट की। इससे भंवरलाल घायल होकर बेहोश हो गया। उसे बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने पहली जांच में पांच नामजद आरोपियों में से गंगाराम को 11 मार्च, 2009 और सुखाराम को 17 मार्च 2009 को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी और तीसरी जांच में गोपाल पुत्र गंगाराम को आरोपी मानते हुए 8 जनवरी 2010 को गिरफ्तार किया था। मामले में तीसरे जांच अधिकारी ने रिपोर्ट में नामजद रामेश्वरलाल और गिरधारी को आरोपी नहीं माना। जिसके बाद अभियोजन द्वारा 26 मई 2011 को तीन चश्मदीद गवाह पेश कर घटना की पुष्टि करवाई गई। इस पर दोनों को कोर्ट ने मुलजिम मान लिया। 15 साल पुराने इस मामले में गिरफ्तारी के बाद सभी मुलजिम लगातार जमानत पर चल रहे थे। कोर्ट ने पांचों को दोषी मानते हुए सजा सुनाई।

दो हादसों में एक व्यक्ति की मौत, छह घायल

बेधड़क | चाकसू (जयपुर)

राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर 52 पर शुक्रवार को शिवदासपुरा इलाके में दो अलग-अलग सड़क हादसे हो गए। पहले सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरे हादसे में करीब 6 सवारियों को चोट आई है।

थाना प्रभारी रणजीत सिंह ने बताया कि शिवदासपुरा के निकट निजी बस और जीप में टक्कर हो गई। टक्कर के बाद जीप सड़क पर पलट गई। हादसे में जीप चालक उसमे फंस गया। इस दौरान मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। थाना प्रभारी ने बताया कि थार जीप सवार व्यक्ति बाबूलाल सैनी चाकसू के गांव चांवड़िया का रहने वाला हैं। उसकी हादसे में मौत हो गई।

इस दौरान भीड़ के चलते एक अन्य रोडवेज बस चालक ने अचानक ब्रेक लगाए तो पीछे से आ रहा ट्रक बस से जा टकराया। हादसे में बस में सवार आधा दर्जन यात्रियों को चोटें आई। दुर्घटना के बाद कुछ देर यहां यातायात भी बाधित रहा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और थार जीप में फंसे घायल को अस्पताल को पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को साइड में करवाकर यातायात सुचारू करवाया।

गांव में पसरा मातम... मृतकों में दो चचेरी बहनें

एक-दूसरे को बचाने के चक्कर में तालाब में चार स्कूली बालिकाएं

बेधड़क | चित्तौड़गढ़

जिले के डूंगला उपखंड क्षेत्र के बिलोदा गांव में शुक्रवार को एक तालाब में डूबने से चार बालिकाओं की मौत हो गई। सभी बच्चियों की उम्र 13 से 18 साल के बीच है। ग्रामीणों ने सभी बच्चियों को पानी से बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलते ही सहकारिता मंत्री गौतम दक और एसडीएम ईश्वरलाल खटीक भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। जानकारी के मुताबिक, बिलोदा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राएं नर्बदा (12) पुत्री गणेश मीणा, रवीना (15) पुत्री श्यामलाल मीणा, जसोदा

(12) पुत्री सत्यनारायण मीणा तथा कोमल (13) पुत्री मोतीलाल मीणा शुक्रवार दोपहर को विद्यालय से लौटने के बाद गांव के तालाब की ओर चली गईं। वहां पर एक बालिका का पांव फिसला तो अन्य ने हाथ पकड़ कर बचाने का प्रयास किया। एक-एक कर चारों छात्राएं पानी में डूबने लगी। इस दौरान उनके साथ एक और छात्रा धनु वहां मौजूद थी।

उसके चिल्लाने पर पास ही काम कर रहा एक किशोर दौड़ा और बालिकाओं को बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस के अनुसार एक लड़की को बचाने की कोशिश में बाकी तीनों भी गहराई में चली गई और अपनी जान गंवा बैठी। मृतकों में कोमल और नर्मदा चचेरी बहनें है।

20 घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शव बरामद

नदी में नहाने गए 4 दोस्तों में से एक की डूबने से मौत

झालावाड़। जिले के सदर थाना क्षेत्र के भिलवाड़ी गांव स्थित आहू नदी में चार दोस्तों के साथ नहाते समय एक युवक गहरे पानी में चला गया। गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। सदर थाना प्रभारी अभिषेक ने बताया कि जावर क्षेत्र के गजवाड़ा गांव का युवक हरिओम लोधा अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ भिलवाड़ी इलाके में घूमने आया था। इसी दौरान सभी दोस्त आहू नदी में नहाने के लिए चले गए। नदी में नहाते समय युवक हरिओम लोधा गहरे पानी में चला गया और डूब गया। हादसे के बाद तीन दोस्तों ने नदी में उसकी काफी देर तक तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उसके साथियों ने सदर थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम को घटना की सूचना दी गई। सदर थाना पुलिस के जवान और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और नदी में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

उतंगन नदी में बहता हुआ मिला शव

राजाखेड़ा (धौलपुर)। जिले के राजाखेड़ा उपखंड के श्रीपाल की गढ़ी के पास शुक्रवार दोपहर को उतंगन नदी में 40 वर्षीय व्यक्ति का शव नदी में बहता हुआ मिला। ग्रामीणों ने उसे नदी से बाहर निकाला और राजाखेड़ा पुलिस को सूचना दी। राजाखेड़ा थाने के हेड कांस्टेबल प्रेम सिंह ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 12 से सवा बारह बजे सूचना मिली थी कि राजाखेड़ा के श्रीपाल की गढ़ी के पास उतंगन नदी में एक युवक का शव बहता हुआ मिला है। पुलिस ने उसकी पहचान उत्तर प्रदेश के गांव दीनपुर तहसील बाह निवासी वीरी ठाकुर पुत्र छोटेलाल उम्र करीब 40 साल के रूप में की है। पुलिस ने बताया कि युवक शरीर पर अंडर गारमेंट्स पहने हुए मिला है, जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि युवक नदी में नहाने के लिए उतरा होगा।

शिक्षा मंत्री दिलावर ने नेत्रहीन शिक्षक को शिविर में दी सौगात

घर के नजदीक दिलाई पोस्टिंग

बेधड़क | कोटा

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर का रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र के मोड़क गांव में आयोजित जनसमस्या समाधान शिविर नेत्रहीन विशेष अध्यापक लेवल-2 बनवारी लाल सेन जीवन में उजियारा लेकर आया।

शिविर में शिक्षक ने शिक्षा मंत्री से जब उनका स्थानांतरण उनके घर के निकट करने की फरियाद लगाई तो शिक्षा मंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बनवारी लाल को उनके इच्छित स्थान पर लगाने के निर्देश प्रारंभिक शिक्षा निदेशक को दिए। इससे शिक्षक बनवारी लाल की बड़ी समस्या का समाधान हो गया। दरअसल 100 प्रतिशत नैत्रहीन श्रेणी में आने वाले बनवारी लाल राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नयागांव अकरन, ब्लॉक खानपुर जिला झालावाड़ में पदस्थापित हैं जो कि उनके घर से 30 किलोमीटर दूर है। आने जाने में हो रही परेशानी को देखते हुए उन्होंने शिक्षा मंत्री से उच्च प्राथमिक विद्यालय दानावास या रघुवीरपुरा में पदस्थापित करने की गुहार लगाई थी। शिक्षा मंत्री ने तत्काल ही इस संबंध में निदेशक, प्राथमिक शिक्षा को इच्छित स्थान पर पदस्थापित करने के निर्देश दिए।

दिव्यांग को इच्छित स्थान पर लगाने के हैं निर्देश

उल्लेखनीय है कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने 100 प्रतिशत नेत्रहीन दिव्यांग अथवा 90 प्रतिशत अन्य श्रेणी के दिव्यांगों को तत्काल उनके इच्छित स्थान पर स्थानांतरित करने के निर्देश शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। शिक्षा मंत्री के इस संवेदनशील फैसले के कारण अभी तक कई नेत्रहीन एवं अन्य श्रेणी के दिव्यांगों को राहत मिली है। शिक्षा मंत्री ने शिविर में अपनी समस्याएं लेकर आए क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण करवाया।

इधर, संयुक्त अभिभावक संघ ने शिक्षामंत्री पर साधा निशाना

बच्चों और शिक्षकों की नहीं चिंता

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के गुरुवार को 25 दिसम्बर से होने वाली सर्दियों की छुट्टियों को सर्दी देखकर दिए जाने वाला बयान सुर्खियों में आ गया है। इस बयान पर संयुक्त अभिभावक संघ के प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 'लगता है प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर अपनी जिम्मेदारी भूल गए है' इसलिए हर वक्त केवल सुर्खियां बटोरने के लिए बयान दे रहे हैं। जबकि विगत 9 माह से भाजपा की सरकार और शिक्षा मंत्री दोनों है, सरकार तो बदल गई किंतु अभिभावक, शिक्षक और विद्यार्थियों के मुद्दों में आजतक कोई बदलाव नहीं आया। प्रदेश में शिक्षकों की नई भर्ती, तबादले सबसे बड़े मुद्दे है, इसके अतिरिक्त निजी स्कूलों की मनमानी फीस, आरटीई में जरूरतमंद विधार्थियों के दाखिले भी बहुत बड़े मुद्दे है और साथ ही निजी और सरकारी स्कूलों में कई बार बच्चों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। शिक्षा मंत्री को तीन महीने बाद की सर्दी की चिंता मगर शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के मुद्दों की नहीं है।

फैसले का स्वागत, लेकिन राजनीति नहीं

बिट्टू ने कहा कि सर्दियों की छुट्टियां अगर सर्दी आने पर ही घोषित की जाए तो यह बच्चों के भविष्य के काफी कारगर साबित होगा, शिक्षा मंत्री के इस बयान का अभिभावक संघ स्वागत करता है, केवल मांग है कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्थाओं को लेकर चलती आ रही राजनीति और निजी स्वार्थ पर पूरी तरह से लगाम लगाई जाए और बच्चों के भविष्य को बनाने में योगदान दिया जाएं।

Yuva स्टोरीज

तीन सूत्री मांगों को लेकर सीएम के नाम दिया ज्ञापन

बेधड़क | बीकानेर

शिक्षक संघ एलिमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) की ओर से प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद के नेतृत्व में प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय के अतिरिक्त निदेशक टीमा राम मीणा को शिक्षकों की तीन सूत्री मांगों के समाधान के लिए राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर व शिक्षा सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा।

अतिरिक्त निदेशक मीणा ने ज्ञापन को राज्य सरकार को भिजवाने व उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुन्दर बिश्नोई ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष 5 सितंबर को शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है। इसमें ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर शिक्षकों का सम्मान किया जाता है। लेकिन ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर सम्मानित होने वाले व आवेदन करने वाले सभी शिक्षकों के आवेदन व आवेदन में की गई मार्किंग व लगाए गए समस्त दस्तावेजों को ऑनलाइन नहीं किया जाता। इससे इनके के बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाती है। संघ के जिलाध्यक्ष सीताराम डूडी ने मांग रखी कि राज्य के दो सरकारी बीएड कॉलेज बीकानेर व अजमेर में चयन परीक्षा के माध्यम से शिक्षकों की नियुक्ति हो। इससे बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिल सके ।

दिनेश व कृष्णा को मिले संस्कृत पुरस्कार

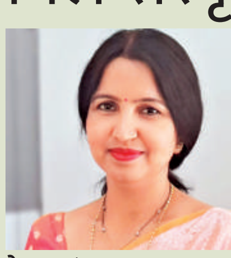

बेधड़क | जयपुर

सांगानेर क्षेत्र के निवासी डॉ. दिनेश यादव को कोटा में 2 सितम्बर को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय संस्कृत दिवस विद्वत् सम्मान समारोह में 'संस्कृत युव प्रतिभा पुरस्कार' से सम्मानित किया जाएगा। डॉ. दिनेश विगत 20 वर्षों से विविध संस्थाओं में संस्कृत का शिक्षण कार्य करने और संस्कृत को जनभाषा बनाने के आन्दोलन से जुड़े हुए हैं। वर्तमान में दिल्ली स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य के रूप में पदस्थापित हैं। इसी तरह सीकर रोड, राधागोविन्द कालोनी निवासी प्रो कृष्णा शर्मा को भी संस्कृत दिवस विद्वत सम्मान समारोह में संस्कृत युव प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में चयन समिति ने प्रो. शर्मा का चयन किया।

आर्मी के कार्यक्रम में राज्यमंत्री मंजू बाघमार ने कहा...

महिला उद्यमियों में समाज को बदलने की क्षमता

■ 'अस्मिता- आर्मी वाइव्स की प्रेरणादायक कहानियां' संस्करण

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश की सार्वजनिक निर्माण, महिला एवं बाल विकास विभाग राज्य मंत्री मंजू बाघमार ने कहा कि महिला उद्यमियों में हमारे समाज को बदलने की क्षमता है। क्योंकि जैसे-जैसे महिला उद्यमी सफल होती हैं, वे नौकरियाँ पैदा करती हैं, नवाचार को प्रोत्साहित करती हैं और आर्थिक विकास में योगदान देती हैं।

यह बात मंत्री बाघमार जयपुर मिलिट्री स्टेशन में इंडियन आर्मी के सप्त शक्ति सैन्य परिवार कल्याण संगठन (आवा) के 'अस्मिता - आर्मी वाइव्स की प्रेरणादायक कहानियाँ' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने सभी वक्ताओं के साहस और समर्पण की सराहना की।

सप्त शक्ति आवा की क्षेत्रीय अध्यक्षा बरिंदर जीत कौर ने अपने समापन भाषण के दौरान उन सभी असाधारण महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने सफलता और दृढ़ता की अपनी प्रेरक कहानियाँ साझा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये कथाएं न केवल प्रेरणा देती हैं बल्कि चुनौतियों पर काबू पाने और दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाने में मानवीय भावना की अपार शक्ति की पुष्टि भी करती हैं। उन्होंने सभी के सशक्तिकरण और एकजुटता के प्रति सप्त शक्ति आवा की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

जयपुर मिलिट्री स्टेशन ने गर्मजोशी के साथ की मेजबानी

सप्त शक्ति सैन्य परिवार कल्याण संगठन ने जयपुर मिलिट्री स्टेशन में साहस और दृढ़ता का उत्सव 'अस्मिता - आर्मी वाइव्स की प्रेरणादायक कहानियां' की गर्मजोशी से मेजबानी की। अस्मिता साहसी सेना पत्नियों के लिए विपरीत परिस्थितियों पर विजय की अपनी कहानियां साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। व्यक्तिगत चुनौतियों पर काबू पाने से लेकर सैन्य जीवनसाथी के रूप में जीवन की जटिलताओं से निपटने तक, ये महिलाएं दृढ़ता और ताकत का प्रतीक हैं। उनकी कहानियां न केवल प्रेरणा देती हैं बल्कि दूसरों को भी साहस और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी प्रतिकूलताओं का सामना करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। मूल रूप से केंद्रीय सैन्य परिवार कल्याण संगठन द्वारा परिकल्पित, 2022 में नई दिल्ली में अस्मिता के उद्घाटन संस्करण ने सशक्त कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के लिए मंच तैयार किया और यह कार्यक्रम अब अपने तीसरे अवतार में है।

साहस और दृढ़ संकल्प की वास्तविक कहानियां आती सामने

'अस्मिता- आर्मी वाइव्स की प्रेरणादायक कहानियां' का यह संस्करण साहस और दृढ़ संकल्प की वास्तविक जीवन गाथाओं को सामने लाता है और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में इन चैंपियन महिलाओं द्वारा पार की गई चुनौतियों को प्रतिबिंबित करता है। इस कार्यक्रम में उन असाधारण महिलाओं की उल्लेखनीय यात्राओं को प्रदर्शित किया गया। जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों पर विजय प्राप्त की और अपने समुदायों में प्रभावशाली योगदान दिया। ऐसी दुनिया में, जो अक्सर वर्दी में व्यक्तियों की उपलब्धियों पर केंद्रित होती है, अस्मिता एक अलग तरह की वीरता – सैनिकों की पत्नियों की वीरता - पर प्रकाश डालती है।

खेल दिवस पर प्रतियोगिता का समापन

शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी बनाएं दिनचर्या का हिस्सा

बेधड़क | चाकसू

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की याद में मनाया जाने वाला राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में चाकसू स्थित एक निजी शिक्षण संस्थान में चल रही खेलकूद प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हुआ।

इस अवसर पर संस्थान निदेशक एवं राज्यमंत्री विकेश खोलिया ने प्रतियोगिता के समापन में सभी प्रतिभागियों को आगामी अंतर जिला क्रीडा प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने खेलों को दिनचर्या का हिस्सा बनाने और भविष्य तलाशने की सीख दी। खोलिया ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस पर विगत कई वर्षों से चाकसू विधानसभा क्षेत्र में कबड्डी एवं अन्य खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है। इस बार बारिश के मौसम को देखते हुए यह प्रतियोगिता केवल संस्थान के कैम्पस स्तर पर ही हुई। जैसे ही मौसम खुलेगा और हर वर्ष की भांति फिर क्षेत्र के प्रतिभागियों का खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा।

प्राचार्य निर्मला खोलिया ने खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली बालिकाओं को प्रोत्साहित किया।

श्रमिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन प्रारंभ

जयपुर। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की ओर से चूना पत्थर एवं डोलोमाइट, अभ्रक खान, बीड़ी श्रमिकों, लौह, मैगनीज एवं क्रोम अयस्क खदान श्रमिको के बच्चों को जो कक्षा 1 या उससे ऊपर की कक्षाओं के नियमित छात्र है, को प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष 2024-25 में भी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया प्रारंभ है। इस प्री मैट्रिक के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तारीख 31 अगस्त तथा पोस्ट मैट्रिक के लिए 31 अक्टूबर है। इस वर्ष छात्रवृत्ति के लिए पूर्व की भांति समस्त विद्यार्थियों को नेशनल स्कालरशिप पोर्टल के माध्यम से 'ऑनलाइन' आवेदन करने होंगे। विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन करने के लिए 'नेशनल स्कालरशिप पोर्टल' (एनएसपी) पर अपना रजिस्ट्रेशन करवा कर आवेदन पत्र भरना होगा जिसके लिए उन्हें अपना आधार नंबर, पिछले वर्ष की अंक तालिका, श्रमिक का आय प्रमाण पत्र तथा श्रमिक पहचान पत्र साथ में अपलोड करना होगा । प्रायः यह देखा गया है कि चूना पत्थर एवं डोलोमाइट (L.S.D.M) खान छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत राजस्थान सरकार के रजिस्टर्ड अन्य श्रमिक भी भ्रान्ति वश आवेदन कर देते हैं। जिससे उन आवेदनों को निरस्त करना पड़ता है। इसलिए विद्यार्थी आवेदन करते समय उसी योजना का चयन करें जिसके लिए वे पात्र हैं। सम्बंधित योजना की जानकारी 'नेशनल स्कालरशिप पोर्टल' पर भी उपलब्ध है। विद्यार्थियों को अपना छात्रवृति आवेदन निश्चित समय सीमा में करना चाहिए।

रिक्रूटमेंट ड्राइव में 4.5 लाख का पैकेज ऑफर

जयपुर। राजधानी के कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय में एक कैंपस खेल रिक्रूटमेंट ड्राइव में डीकेथलॉन स्पोर्ट्स इंडिया ने स्पोर्ट्स लीडर्स की नियुक्ति के लिए महाविद्यालय में साक्षात्कार लिए। इसमें 3 छात्राओं का चयन हुआ। पूर्णकालिक कर्मचारियों की भर्ती के लिये 4.52 लाख का पैकेज ऑफर किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल और केंद्र की संयोजिका डॉ. आकांक्षा गंडा ने उम्मीदवारों को बधाई दी। वहीं दूसरी ओर महाविद्यालय में छात्राओं एवं समस्त स्टाफ मेंम्बर्स ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु को 'हम भारत की महिला नागरिक गरिमा के साथ जीने का अधिकार रखती है। 'प्रतिष्ठा ! प्रतिक्रिया ! प्रतिकार ! नाम से एक अपील भेजी गई।

प्रतियोगिता | **राजस्थान विश्वविद्यालय में मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस**

पूर्व और वर्तमान स्टूडेंट्स के बीच खेला गया मैत्री मैच

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान विवि के खेल प्रांगण में पूर्व और वर्तमान स्टूडेंट्स के बीच हॉकी का एक मैत्री मैच खेला गया। इस मैच में राजस्थान विश्वविद्यालय की टीम ने पूर्व स्टूडेंट्स की टीम को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। इससे पूर्व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विवि के कुलसचिव ने ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता की शुरुआत की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसाद महानकर अखिल भारतीय संगठन मंत्री, क्रीड़ा भारती, सुरेंद्र सिंह राणावत एसीपी जयपुर, मित्रनंद पूनिया सचिव हॉकी राजस्थान, प्रोफेसर महेंद्र सिंह चुडावत पूर्व विभाग अध्यक्ष शारीरिक शिक्षा, पूर्व सचिव, खेल बोर्ड, राजस्थान विश्वविद्यालय, रिटायर्ड प्रोफेसर एन के पंडित,प्रोफेसर आर् एन शर्मा, अमिटी जसरोटिया और पूर्व प्रशिक्षक एस.एन.पारीक, रवि शर्मा, नीलम चौधरी, योग शिक्षक अनीता डंगवाल उपस्थित रहे ।

खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

कार्यक्रम में विवि की हॉकी टीम की पूर्व कप्तान अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी राजू रणवा, जिन्होंने हाल ही में एन.आई एस.पटियाला द्वारा आयोजित खेल प्रशिक्षण कोचिंग डिप्लोमा हॉकी में पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली को सम्मानित किया गया। साथ में कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को पुरस्कृत गया।

खेल...फिटनेस का जीवन में महत्व

जयपुर। पत्र सूचना कार्यालय जयपुर ने राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ पत्र सूचना कार्यालय व केन्द्रीय संचार ब्यूरो जयपुर की अपर महानिदेशक ऋतु शुक्ला ने शपथ दिलवाकर किया। उन्होंने खेल और फिटनेस के दैनिक जीवन में महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए और खेल के माध्यम से अनुशासन, टीमवर्क और नेतृत्व कौशल के निर्माण के फायदों को उजागर किया। उन्होंने स्टाफ को खेल को गंभीरता से लेने और उत्कृष्टता की ओर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में स्टाफ के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें टेनिस बॉल क्रिकेट, फुटसाल/मिनी फूटबाल, बैडमिंटन, रस्साकसी, लेमन रेस, प्लंक चैलेंज जैसी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अपर महानिदेशक ऋतु शुक्ला द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पत्र सूचना कार्यालय के संयुक्त निदेशक पवन सिंह फौजदार व केन्द्रीय संचार ब्यूरो जयपुर के सहायक निदेशक संतोष वेंकटरमन भी मौजूद रहे ।

आवाज बेधड़क

सच बेधड़क

कीर्ति स्तम्भ

दशरथ मालावत

बंटवारा और बैर

वर्तमान में मानव बंटवारे को ही अपना परम धर्म माने हुए बैठा है। बंटवारा विभेद मतभेद और मनभेद का स्वाभाविक परिणाम है। जहां सहयोग सहचार्य सहानुभूति सहनशीलता सद्भाव है वहां बंटवारा महत्वहीन लगता है। इसके विपरीत जहां परस्पर मनुष्य में विरोध प्रतिरोध विरोधाभास वैचारिक भिन्नता विद्वेष स्थान बना लेते हैं वहां बटवारा होना तय है।

आज परिवारों में भाई-भाई पिता पुत्र सभी जमीनों के बंटवारे में बड़े ही कुशल हो चुके हैं कुछ व्यक्ति परंपराओं को निभाकर चौपाल पर या अपने वचनों सेबंटवारा कर रहे हैं परंतु कुछ तो अदालत की शरण में पहुंच कर एक दूसरे पर दावा लगाकर इन जमीनों को बॉटते जा रहे हैं जिस पृथ्वी को प्रभु ने एक बनाया उसको खंड-खंड करकेऔर अपनी खंडित मानसिकता का परिचय दे रहे हैं। भूमि और संसाधनों के बंटवारे से एक कदम आगे निकलकर अब तो परिवार में माता-पिताकी सेवा के लिए भी बंटवारा एक महीना किसी भाई के पास दूसरा महीना किसी और संतान के पास रहकर माता-पिता समय गुजार रहे हैं।

आज की पीढ़ी उस समय को याद करती है जब बंटवारे को अनिवार्य नहीं मानकर बंटवारा अपमानजनक व अशुभ माना जाता था। सब कुछ छूटे... संबंध न टूटे... साथ रहेंगे, नहीं बटेंगे।

यह भावना प्रवण विचार अब इतिहास के पन्नों में सीमित होकर रह गए हैं। संयुक्त परिवार का बंट जाना उसका विखंडित हो जाना तथा भावनात्मक रूप से जुड़ाव का अंत हो जाना आज सहज ही देखा जा सकता है। क्या कभी सोचेगा यह मानव कि जब आसमान हम बांट नहीं पा रहे, हवा को हम बांट नहीं सकते, सूर्य की रोशनी को विखंडित करके प्रयुक्त नहीं कर सकते... तो क्यों बंटवारे के पीछे इतने मनोभाव से लगे हुए हैं।

जब ऊपर वाले ने प्राकृतिक एकरूपता के साथ सबको जमीन-आसमान, आकाश, हवा हमारे पांच तत्व एक जैसे उपलब्ध करवाए हैं। ठीक ही कहा जाता है कि- मतभेद रखो मनभेद कभी नहीं रखना चाहिए, क्योंकि मनभेद से आपस में इंसान बंट जाते हैं। चाहे वह देश हो, जिनकी सीमा का बंटवारा तथा धर्म संप्रदाय हो आपस में बंट जाना जन शक्ति व राष्ट्र शक्ति को क्षीण करता है। इंसान धर्म और पंथों में भी अपने आप को बांटकर अपने सीमित ज्ञान का परिचय दे रहा है। इसलिए बंटवारे के संबंध में यही कहा जा सकता है कि-

एक गगन है, एक पृथ्वी
एक सूरज हमारा।
निज स्वार्थ के कारण प्रिय
लग रहा बंटवारा।।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
नया भारत अपने गौरव और सामर्थ्य को पहचानता है, यही वजह है कि समुद्री इंफ्रास्ट्रक्चर में मील के नए पत्थर लगाए जा रहे हैं। आज इसलिए वाढवण पोर्ट पर पूरी दुनिया की नजर है...। वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट को दशकों तक उन्हीं दलों ने लटकाकर रखा, जो महाराष्ट्र का विकास नहीं चाहते। मछुआरा भाई-बहनों का कल्याण और संकट के समय उनकी सुरक्षा शुरू से ही हमारी बहुत बड़ी प्राथमिकता रही है। हमारी माताओं-बहनों के सामर्थ्य को बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने में महाराष्ट्र आज देश को एक नई दिशा दिखा रहा है।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
हमारी सरकार का दृढ़ संकल्प है कि राजस्थान को देश का अग्रणी निवेश गंतव्य बनाया जाए। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु हमारी सरकार व्यापार सुगमता, नवाचार प्रोत्साहन, और कुशल श्रमशक्ति विकास पर विशेष बल दे रही है। प्रदेश सरकार निवेशकों को सर्वोत्तम सुविधाएँ और सहायता प्रदान करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है, जिससे राजस्थान में उनका निवेश अनुभव सुखद और लाभदायक हो।

हरियाणा और जम्मू कश्मीर में गति पकड़ रही है चुनाव प्रक्रिया

गठबंधन से 'चौधरी' बनने की होड़

गजानन्द शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

कुमारी शैलजा अनुसूचित जाति से हैं और हुड्डा हरियाणा के सबसे बड़े व सामर्थ्यवान जाट समुदाय से हैं। दोनों वोट बली हैं। इनके अलावा रणदीप सिंह सुरजेवाला भी सीएम पद की दौड़ में बताए जाते हैं।

हरियाणा और जम्मू कश्मीर में चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ रही है और शनैः शनैः वहां की सियासी तस्वीर भी साफ होने लगी है। जम्मू कश्मीर में दूसरे चरण की नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन हरियाणा ने चूंकि एक ही चरण में एक अक्टूबर को मतदान है, इसलिए वहां अभी नामांकन प्रक्रिया शुरू होने में समय है, लेकिन राजनीतिक, रणनीतिक व सामाजिक व्यूह रचना दोनों राज्यों में हो रही है। हरियाणा में कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों के नामों पर मंथन और मंत्रणा करने में व्यस्त है। उम्मीद है कि उम्मीदवारों के नाम भी जल्द सामने आ जाएंगे। कांग्रेस ने अपने मौजूदा सांसदों के लिए चुनाव मैदान में उतरने पर नो एंट्री का बोर्ड लगा दिया है। कारण, मुख्यमंत्री का चेहरा बनने के लिए पार्टी में अंदरूनी स्तर पर खींचतान जारी है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा इस होड़ में सबसे आगे हैं। हुड्डा ने चुनावों की घोषणा से पहले ही चुनाव अभियान शुरू कर दिया था और हरियाणा मांगे हिसाब के जरिए साफ संकेत दे दिए थे कि यदि कांग्रेस सत्ता में वापसी करती है तो वह मुख्यमंत्री की कुर्सी के दावेदार होंगे। कुमारी शैलजा भी इसमें पीछे नहीं रही। वे भी अपने स्तर पर चुनाव प्रचार अभियान में कूद गईं। इसके साथ ही उन्होंने अपनी इस महत्वाकांक्षा को छिपाया भी नहीं कि वह पार्टी के सत्ता में लौटने पर मुख्यमंत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने राज्य में विधानसभा चुनाव लड़ने की भी इच्छा जताई और मुख्यमंत्री बनने की भी। हालांकि उन्होंने पार्टी आलाकमान का भी मान रखा कि अंतिम फैसला वही करेगी। कुमारी शैलजा अनुसूचित जाति से हैं और हुड्डा हरियाणा के सबसे बड़े व सामर्थ्यवान जाट समुदाय से हैं। दोनों वोट बली हैं। इनके अलावा रणदीप सिंह सुरजेवाला भी सीएम पद की दौड़ में बताए जाते हैं। संभवतः कांग्रेस ने इसलिए ही सांसदों के चुनाव लड़ने पर नो एंट्री का बोर्ड लगाया कि सीएम फेस को लेकर उसके वोट बैंक में दरार न पड़े। कांग्रेस दलित और जाट वोट बैंक के सहारे ही यह चुनावी वैतरणी पार करना चाहती है, लेकिन इन दोनों समुदायों पर भाजपा के साथ इंडियन नेशनल लोकदल तथा जननायक जनता पार्टी की भी नजर है। ये दोनों ही पार्टियां अपना खोया हुआ राजनीतिक आभा मंडल फिर से हासिल करना चाहती हैं। इसके लिए इनेलो ने बहुजन समाज पार्टी से और जननायक जनता पार्टी ने चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी के साथ गठबंधन किया है।

इनेलो और जननायक जनता पार्टी दोनों ही पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल के वृहद परिवार से ही निकली हैं और दोनों की जड़े भी जाट समुदाय में हैं। जननायक जनता पार्टी अपेक्षाकृत नई पार्टी है और पिछले चुनाव में 10 सीटें जीतकर वह किंगमेकर के रूप में उभरी थी। करीब चार साल तक वह भाजपा के साथ सत्ता में भागीदार रही और पार्टी के नेता दुष्यंत चौटाला उप मुख्यमंत्री रहे, लेकिन चुनाव से पहले दोनों की रास्ते अलग-अलग हो गए। इसके बाद जजपा में सियासी बिखराब शुरू हो गया। उसके छह विधायक साथ छोड़ गए। दुष्यंत चौटाला अब पार्टी की राजनीतिक हैसियत फिर से हासिल करने में जुटे हैं और इसके लिए उन्होंने आजाद की पार्टी से गठबंधन किया है। दूसरी ओर, बसपा इनेलो के साथ है। बसपा और आजाद में दलितों का सबसे मुखर व एक छत्र नेता बनने की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता है, वहीं लोजपा (रामविलास) के नेता व केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी अब इस होड़ में शामिल नजर आते हैं। लेटरल एंट्री, एससी-एसटी वर्ग के आरक्षण में क्रीमीलेयर और जातिगत जनगणना पर चिराग के रुख से यह साफ है। फिलहाल दलित राजनीति इन मुद्दों पर केंद्रित हो रही है और विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में भी इन पर जमकर सियासी घमासान होने की उम्मीद है। तभी तो जजपा और इनेलो ने आजाद समाज पार्टी और बसपा के साथ तालमेल करने में कोई हिचकिचाहट नहीं हुई। हरियाणा में विधानसभा चुनाव में दलित मतों के लिए तगड़ा घमासान होने की संभावना है। इन्हें हर कोई अपनी ओर खींचना चाहेगा। भाजपा का गैर जाट मतों को एकजुट करने का गणित तो है ही, वह जाट मतों को भी अपने साथ जोड़ने में जुटी है। किरण चौधरी को राज्यसभा में भेजना, ओमप्रकाश धनखड़ को पार्टी की चुनाव घोषणा पत्र समिति का अध्यक्ष बनाना और चौधरी देवीलाल के बेटे रणजीत सिंह को पार्टी से जोड़े रखना उसकी इसी रणनीति का हिस्सा हैं। वैसे तो भाजपा ने हरियाणा के तीनों लाल देवीलाल, बंशीलाल और भजनलाल के परिवारों की अगली पीढ़ी को पार्टी से जोड़ रखा है, लेकिन उसके पास भूपेंद्र हुड्डा जैसा बड़ा चेहरा नहीं है।

> *"भाजपा का गैर जाट मतों को एकजुट करने का गणित तो है ही, वह जाट मतों को भी अपने साथ जोड़ने में जुटी है। किरण चौधरी को राज्यसभा में भेजना, ओमप्रकाश धनखड़ को पार्टी की चुनाव घोषणा पत्र समिति का अध्यक्ष बनाना और चौधरी देवीलाल के बेटे रणजीत सिंह को पार्टी से जोड़े रखना उसकी इसी रणनीति का हिस्सा हैं।"*

हरियाणा की राजनीति का एक और कोण अहीरवाल या रेवाड़ी इलाका भी है। छोटे से प्रदेश हरियाणा के राजनीतिक खांचे बड़े हैं। देखना है कि अब इसमें कौन-सा सामाजिक समीकरण जमीनी स्तर पर फिट बैठता है। लोकसभा चुनाव के बाद से ही कांग्रेस का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है, वहीं भाजपा संभावित एंटी इनकंबेसी का तोड़ ढूंढने में लगी है। इसलिए संभव है कि पार्टी नए चेहरों को प्राथमिकता दे। लोकसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस ने 5-5 सीटें जीती थी। अब दोनों ही पार्टियों को विजयी गोल दागने के लिए प्रतिद्वंद्वी की रक्षा पंक्ति को भेदना होगा। कांग्रेस की रक्षा पंक्ति में जाट और दलित मतदाता अहम होंगे। इसलिए अब देखना यह है कि सेमीफाइनल में बराबरी पर छूटी ये पार्टियां विजयी गोल कैसे करती हैं। राज्य में चौधरी बनने का मुकाबला कड़ा होने वाला है। दूसरी ओर यदि हम जम्मू कश्मीर पर नजर डालें तो वहां भी सियासी गठबंधनों के बाद चुनावी तस्वीर साफ होने लगी है। अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के एक मंच पर आने की संभावना प्रबल हो गई थी, लेकिन अब वह धूमिल हो गई है। अब कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस साथ-साथ हैं। दोनों ने सीटों का बंटवारा कर लिया है। 51 सीटों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस और 32 सीटों पर कांग्रेस चुनाव मैदान में होगी। पांच सीटों पर दोनों में दोस्ताना मुकाबला होगा और एक-एक सीट उन्होंने माकपा और पेंथर्स पार्टी को दी है। पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला गांदरबल से चुनाव लड़ रहे हैं। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव का सबसे सकारात्मक पक्ष यही है कि वहां की हर सियासी ताकत चुनाव मैदान में उतर रही है। मुख्यधारा के राजनीतिक दलों की भागीदारी किसी भी चुनाव की विश्वसनीयता को बढ़ा देती है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती चुनाव नहीं लड़ रही हैं, लेकिन उनकी बेटी इल्तिजा चुनाव लड़ रही हैं। जमात ए इस्लामी जैसे प्रतिबंधित संगठनों के नेता भी निर्दलीय रूप में चुनाव मैदान में उतर रहे हैं और बदलती भू राजनीति का जिक्र कर रहे हैं। हां, गुलाम नबी आजाद की पार्टी की चुनावी धमक कम सुनाई पड़ रही है। एक बात और, माहौल बिगाड़ने के पाकिस्तान के तमाम प्रयासों के बावजूद सुरक्षा हालात भारतीय सुरक्षा बलों के नियंत्रण में हैं और सीमा पार के साजिशकर्ताओं को सटीक जवाब भी मिल रहा है। वहां मुख्य मुद्दा अनुच्छेद 370 और पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली का है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी अनुच्छेद 370 की बहाली पर जोर दे रही हैं, वहीं भाजपा उसको समाप्त करने के बाद लोगों तक पहुंचे आरक्षण व अन्य लाभों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भाजपा का सारा जोर जम्मू की सीटों पर रहने वाला है, जहां उसके सामने कांग्रेस के उम्मीदवारों की कड़ी चुनौती होगी।

वहीं घाटी में नेशनल कॉन्फ्रेंस का पीडीपी के साथ भाजपा समेत स्थानीय दलों से भी सामना होगा। भाजपा ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करेगी। हां, वह घाटी में कुछ निर्दलीय प्रत्याशियों को समर्थन दे सकती है। भाजपा इस चुनाव में नई रणनीति के तहत चुनाव मैदान में उतर रही है। उसने कई मुस्लिम नेताओं को चुनाव मैदान में उतारकर नई पहल की है। पार्टी का मुख्य आधार जम्मू क्षेत्र में है, लेकिन वह जानती है कि बिना घाटी के समर्थन के वह अपने बूते पर जम्मू कश्मीर में सत्ता में नहीं आ सकती। इसलिए घाटी को लेकर उसकी रणनीति में बदलाव नजर आता है। घाटी में सकारात्मक बदलाव की जरूरत है और इस बदलाव को गति देने की जिम्मेदारी देश के हर भारतीय राजनीतिक दल की है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

पुण्य के लिए करते पुल गंगा स्नान!

दिनेश विजयवर्गीय
व्यंग्यकार

लोकतंत्र शासन पद्धति की विशेषता है कि इसमें सरकार जन कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं समय-समय पर बनाती रहती है। इतना ही नहीं जिनके लिए पहले लोगों को पैसे खर्च करने पड़ते थे, वह आज फ्री में या कम खर्च में उपलब्ध हो रही हैं। सरकार इसके लिए बड़े-बड़े विज्ञापन निकलवाती है। जनकल्याण की बहती गंगा में हाथ धोने के लिए, कोई नेता तो खटाखट खटाखट पैसे बैंक खाते में जमा होने की बात करते हैं। जन कल्याण का लोकतंत्र में लंबा सिलसिला है। इसी परंपरा में सरकार नदियों पर पुल बनाकर कई बड़े शहरों और गांवों को जोड़ने में लगी हुई है।

जब पुल बनता है तो बड़ा आकर्षक लगता हैं। जनता उसकी उपयोगिता के चलते जय जयकार करने लगती है, लेकिन जब यही पुल कभी उद्घाटन के पहले या बाद में भी जल्दी टूट कर गिर जाता हैं तो जनता को इसमें भ्रष्टाचार की लुकाछिपी नजर आने लगती है। जनता इस टूटे पुल को टुकुर-टुकुर देखती रहती है। संबंधित मंत्री व विभाग इस टूटे पुल पर जनता का विश्वास प्राप्त करने के लिए, इसकी जांच करवाने का भरोसा जताकर, दूध का दूध पानी का पानी करने का आश्वासन देते हैं। पुल टूटने की इस परंपरा में कुछ पुल तो ऐसे हैं जो टूटने में रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं। जैसे टूटने की नकटाई धारण कर रखी हो। अभी पिछले दिनों ही एक प्रदेश के एक पुल के साथ यही हुआ। वह तीसरी बार गंगा नदी में टूट कर पुण्य कमाने चला गया। उसे लगता है की बाढ़ के इस गंगाजल में स्नान कर पुण्य कमाने का एक अलग ही आनंद है। टूटे पुल की जांच करने पर मालूम हुआ कि प्रथम दृष्टया पिलर गंगा के तेज बहाव के कारण गिरा है। सरकार के मंत्री जीने कहा चिंता की कोई बात नहीं, जल्दी इसे भी मानसून के बाद ठीक करवा दिया जाएगा। सरकार कभी भी भ्रष्टाचार को सहन नहीं करेगी और निर्माण कार्य में मजबूती के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य में सभी निर्माण कार्यों पर चौकसी रखी जाएगी। हम जनता के हर दुख दर्द में साथ खड़े हैं। जनता मंत्री जी आश्वासन पर फिर से अपनी क्रिया कलापों में व्यस्त हो जाती है।

आलेख

कड़े कानून पर्याप्त नहीं!

रीतेश ओमप्रकाश जोशी
स्वतंत्र टिप्पणीकार

वर्तमान में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध ने न केवल महिलाओं और बच्चियों, बल्कि उनके परिजनों के मन में भी असुरक्षा का ऐसा भाव पैदा किया है, जिसे वर्तमान परिदृश्य में उनके मन से मिटा पाना नितांत असंभव लगता है। स्त्रियों और बच्चियों के प्रति घटित हो रहे लगातार अपराध की खबरे ह्रदय को विचलित ही नही बल्कि भयाक्रांत भी कर देती है। वास्तव में यौन अपराध के बढ़ते ग्राफ को देखकर इसे यौन अपराध की जगह यौन आतंकवाद की संज्ञा देना समीचीन होगा। सरकार ने इन अपराधों पर अंकुश के लिए कानून में सख्त प्रावधान भले ही किए हों किंतु अभी तक ये प्रावधान प्रभावी और पर्याप्त सिद्ध नही हुए है। यौन अपराधों पर अंकुश मात्र कानून की सख्ती से ही संभव नहीं है। इंटरनेट और फिल्मों पर मौजूद असीमित और अनियंत्रित एडल्ट कंटेंट ने समाज के बड़े तबके की मानसिकता को विकृत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। सरकार ने समय समय इंटरनेट पर मौजूद अश्लील सामग्री के प्रदर्शन वाली वेबसाइट्स को प्रतिबंधित अवश्य किया है किंतु इंटरनेट पर मौजूद सामग्री को देखते हुए यह प्रयास नाकाफी साबित हुए है। यह कहा जा सकता है कि केवल कड़े कानूनी प्रावधानों से यौन अपराधों पर अंकुश लगाया जाना संभव नहीं है, अपितु यौन अपराधों के उत्प्रेरण के लिए उत्तरदायी एडल्ट कंटेंट को इंटरनेट, ओटीटी प्लेटफार्म और फिल्मों पर सख्ती से नियंत्रित करना होगा। स्त्रियों के प्रति होने वाले अपराध सभ्य और शिक्षित समाज के लिए ऐसा बदनुमा दाग है जो समाज में रहने वाले व्यक्ति को शर्मसार करता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'पिंजर': देह में कैद नारी के मुक्ति संघर्ष का आह्वान

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

पंजाबी-हिन्दी भाषा की अनन्य लेखिका अमृता प्रीतम का जन्मदिवस

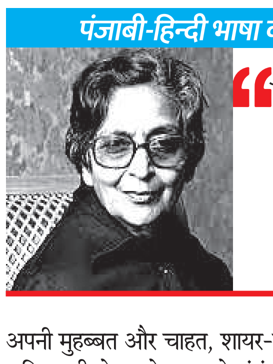

> *"औरत के दुःख-दर्द, संघर्ष, विषाद, वेदना की जो तस्वीरें अमृता प्रीतम ने 'पिंजर' में बनाई हैं, वे उस भीषण दौर की हकीकत के ज्यादा नजदीक हैं। 'दिन के प्रकाश में 'पूरो', 'हमीदा' बन जाती थी। रात के अंधकार में वह 'पूरो' रहती, किन्तु 'पूरो' सोचती थी वह वास्तव में 'हमीदा' थी न 'पूरो', वह केवल एक पिंजर थी।"*

दो अमृता प्रीतम, पंजाबी जबान की पहली कवयित्री मानी जाती हैं। भारत-पाक बंटवारे पर लिखी, उनकी लंबी नज्म 'आज आखां वारिस शाह नु तू कब्रा विच्चों बोल' भारत और पाकिस्तान दोनों जगह काफी मकबूल हुई। सौ से ज्यादा किताबें लिखनेवालीं अमृता प्रीतम ने साहित्य की हर विधा में काम किया। मसलन कविता, कहानी, उपन्यास, निबंध, जीवनी, संस्मरण, पंजाबी लोक गीत और आत्मकथा। अमृता प्रीतम की लोकप्रियता का ही कमाल था कि उनकी कृतियों का अनेक भाषाओं में अनुवाद हुआ। उर्दू अदब की नामचीन लेखिकाओं इस्मत चुगताई, कुर्रतुल-एन-हैदर की लेखन परंपरा से क़दम ताल मिलाने वाली पंजाबी-हिन्दी भाषा की इस अनन्य लेखिका को हालांकि, मुस्लिम समाज की तरह अपनी रिवायतों में बंधे मुस्लिम समाज की बनिस्बत खुला समाज मिला, मगर औरत की जिंदगी को उन्होंने हर जगह, हर कौम में एक सा पाया। दुनियावी बदलाव-अतिक्रमणों से दूर औरत की जिंदगी का भूगोल अभी तक अक्षुण्ण है, क्योंकि उसे आज भी अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीने और फ़ैसले लेने का हक नहीं है। औरत की जिंदगी की अंदर और बाहर की यही कशमकश हमें अमृता प्रीतम के कमोबेश सभी उपन्यासों और कहानियों में दिखलाई देती है।

हालिया वक्त में हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्श के नाम पर जिस तरह नारीवादी लेखक-लेखिकाओं ने औरत की वास्तविक समस्याओं से इतर जो थोकबंद लिखा-रचा है, वह हमारे अन्दर की यौन जुगुप्सा को तो जगाता है, लेकिन हमें उनके हक में खड़ा नहीं करता। इसके विपरीत अमृता प्रीतम के सभी उपन्यास औरत जात को समाज में मान-सम्मान लौटाए जाने के आख्यान हैं। 'एक थी सारा', 'कच्ची सड़क', 'उन्नचास दिन', 'रसीदी टिकिट', 'पिंजर' आदि उनके सभी उपन्यासों में उन्होंने औरत को बिल्कुल अलहदा ढंग से ही बयां किया और उसे अपनी आवाज दी। औरत की आर्थिक, सामाजिक आजादी की हिमायती अमृता प्रीतम अपनी आत्मकथा 'रसीदी टिकिट' में खुलकर अपने अंतःकरण की बात करती हैं। अपनी मुहब्बत और चाहत, शायर-गीतकार साहिर लुधियानवी से अपने प्यार भरे संबंधों को क़बूलती हैं। यही नहीं चित्रकार इमरोज से उनके जो आत्मीय रिश्ते थे, उसे भी नहीं छिपातीं। उस जमाने में जब हिंदुस्तानी समाज इतना खुला समाज नहीं था, तब इतनी बेबाकी से यह सब लिखना, वाक़ई अमृता प्रीतम के ही बूते की बात थी। उन्होंने देश का बंटवारा देखा था। बंटवारे के बाद वे दिल्ली आ गईं थीं। यही वजह है कि मुल्क की अवाम को हिंदुस्तान और पाकिस्तान में बांट देने वाले बंटवारे का दर्द उनके अदब में साफ दिखलाई देता है। खास तौर पर उपन्यास 'पिंजर' में।

यूं तो भारत-पाक बंटवारे पर यशपाल का 'झूठा सच', भीष्म साहनी-'तमस', डॉ.राही मासूम रजा-'आधा गांव', बलवंत सिंह-'काले कोस', अब्दुल्लाह हुसैन-'उदास नस्लें' आदि विचारोत्तेजक उपन्यास लिखे गये हैं, जो हमारे बीते हुए माजी के ऐतिहासिक दस्तावेज हैं। लेकिन इन महत्वपूर्ण उपन्यासों के बीच अमृता प्रीतम ने अपने उपन्यास 'पिंजर' में विभाजन की पीड़ा के दरमियान स्त्री सवालों को जिस तेवर से उठाया है, वह 'पिंजर' को बाक़ी उपन्यासों से अलग बनाता है। अलबत्ता इन सवालों की पड़ताल, हमें ऊपर जिक्र किए गए उपन्यासों में भी देखने को मिलती है। औरत के दुःख-दर्द, संघर्ष, विषाद, वेदना की जो तस्वीरें अमृता प्रीतम ने 'पिंजर' में बनाई हैं, वे उस भीषण दौर की हकीकत के ज्यादा नजदीक हैं। 'दिन के प्रकाश में 'पूरो', 'हमीदा' बन जाती थी। रात के अंधकार में वह 'पूरो' रहती, किन्तु 'पूरो' सोचती थी वह वास्तव में 'हमीदा' थी न 'पूरो', वह केवल एक पिंजर थी। केवल पिंजर! जिसका कोई रूप न था कोई नाम न था।' उपन्यास 'पिंजर' की यह वैचारिक शुरुआत, एक मुकम्मल कहानी बयां कर जाती है। 'पूरो' और 'हमीदा' के नाम के बीच झूलती औरत की खुद को तलाशने-पहचानने की कहानी है, अमृता प्रीतम का उपन्यास 'पिंजर'।

उपन्यास 'पिंजर' का कथानक साल 1935 से शुरू हो, साल 1947 भारत-पाक विभाजन के काल तक फैला हुआ है। मौजूदा दौर में हिन्दू-मुस्लिम रिश्तों में तनाव की जो प्रक्रिया बनी है, वह अकास्मिक नहीं है बल्कि यह वैमनस्य, संघर्ष आपस में छोटे-छोटे फिरकों के बीच अपने क्षुद्र हितों के चलते बराबर चलता रहता था। जिसका सीधा-सीधा तआल्लुक़ आर्थिक कारणों से था, न की धार्मिक। कालांतर में हमारे हुक्मरानों ने हिंदुस्तान के दो बड़े सम्प्रदायों को किस तरह वास्तविक समस्याओं से काट काल्पनिक समस्याओं, आपसी डर, चिंताओं से बांध दिया, यह विवेचना का बिंदु हो सकता है। विभाजन की तटस्थ विवेचना के बाद ही धार्मिक, भाषायी आधार पर बंटवारे का मिथक टूट सकता है। सच बात तो यह है कि उपन्यास 'झूठा-सच', 'आधा गांव', 'तमस', 'पिंजर' के जरिए ही हम बंटवारे से पहले हिंदुस्तानी समाज में घट रही उन घटनाओं से वाकिफ हो सकते हैं, जिनका कि किसी इतिहास में जिक्र नहीं मिलता। भारत-पाक बंटवारे का जो दिग्भ्रमित कोहरा नई पीढ़ी के जेहन में अंकित है, वह कोहरा बहुत हद तक इन उपन्यासों के पढ़ने से छंट सकता है। जहां यशपाल, भीष्म साहनी अपने उपन्यासों में भारत-पाक बंटवारे से जुड़े राजनीतिक सवालों की गहन जांच-पड़ताल करते हैं, वहीं अमृता प्रीतम सामाजिक, आर्थिक वजह की नुक्ता-ए-नजर में बंटवारा देखती हैं। उनकी नजर में बंटवारा ऐसी मानवीय त्रासदी थी, जिसमें कि औरत को ही सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

'पिंजर', सिर्फ 'पूरो' की ही कहानी नहीं है, बल्कि यह कहानी नवविवाहिता 'तारो', 'पूरो' की भाभी 'लाजो', बारह बरस की लड़की 'कम्मो' और 'पगली' की भी आपबीती है। अमृता प्रीतम ने 'पूरो' के साथ-साथ इन किरदारों के मार्फ़त उस जमाने में स्त्री समस्या से जुड़े हुए उन सवालों को भी ख़ोजने की कोशिश की है, जिनके जवाब आज भी बमुश्किल से मिलते हैं। सदियों से समाज में उपेक्षित, प्रताड़ित, शोषित नारी की दशा पर उनका चिंतन सार्वकालिक दिखता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जमात-ए-इस्लामी के नेताओं के चुनाव लड़ने पर उमर की टिप्पणी को लेकर भड़की पीडीपी प्रमुख

जम्मू-कश्मीर को अपनी जागीर समझती है नेशनल कॉन्फ्रेंस : महबूबा

एजेंसी | श्रीनगर

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद से नेताओं के सियासी हमले तेज हो गए हैं। इसके साथ ही आरोप प्रत्यारोप का दौरा शुरू हो गया है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधते हुए कहा है कि वह इस बात से हैरान हैं कि यह पार्टी जम्मू-कश्मीर को अपनी निजी जागीर समझती है। महबूबा मुफ्ती ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी का जिक्र करते हुए यह बात कही।

महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर में मीडिया से बातचीत में कहा,मैं हैरान हूं कि नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर को अपनी निजी जागीर के रूप में देखती है। उन्होंने ही जम्मू-कश्मीर में हलाल और हराम प्रणाली शुरू की है। उन्होंने कहा कि जब नेशनल नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला मुख्य प्रशासनिक अधिकारी थे, तब

चुनाव हलाल था। उन्होंने आगे कहा, जब वह (शेख अब्दुल्ला) प्रधानमंत्री बने तो चुनाव हलाल था। जब उन्हें हटाया गया तो 22 साल तक चुनाव हराम थे। 1975 में चुनाव हलाल के ख़िलाफ थे। 1987 में उन्होंने ही जमात या अन्य पार्टियों के लिए चुनाव हराम कर दिया था, 1987 में उन्होंने किसी भी वैकल्पिक ताकतों को उभरने से रोकने के लिए चुनावों में धांधली की। उन्होंने अन्य पार्टियों को चुनाव लड़ने से रोका और अब अगर जमात-ए-इस्लामी चुनाव में भाग लेना चाहती है तो यह अच्छी बात है।पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र विचारों की लड़ाई है और सरकार को जमात पर से प्रतिबंध हटाना चाहिए और उनकी जब्त संपत्तियों और संस्थानों को बहाल करना चाहिए। उन्होंने कहा, चुनावों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस का रुख पाखण्ड है। जब वे सत्ता में होते हैं तो चुनाव को हलाल मानते हैं लेकिन जब सत्ता में नहीं होते तो हराम मानते हैं।

भाजपा नेता चंद्रमोहन शर्मा का पार्टी से इस्तीफा

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के सिलसिले में टिकट वितरण को लेकर भाजपा के भीतर हंगामा जारी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता चंद्रमोहन शर्मा ने शुक्रवार को पार्टी से इस्तीफा देने की घोषणा की। साथ ही, उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने की धमकी दी है। 'तवी आंदोलन' के संयोजक चंद्रमोहन शर्मा ने संवाददाताओं से कहा, टिकट के अनुचित वितरण को लेकर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में भारी असंतोष और गुस्सा है। वे अपना असंतोष व्यक्त करने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक, मैं इससे दुखी होकर अन्य लोगों के साथ पार्टी से इस्तीफा दे रहा हू।

जमात-ए-इस्लामी के चार पूर्व सदस्यों ने नामांकन किया दाखिल

इससे पहले उमर अब्दुल्ला ने जमात -ए -इस्लामी चुनाव में उनकी भागीदारी पर कहा था कि हाल तक यह हराम था और अब वे इसे हलाल मानते हैं। गौरतलब है कि जमात-ए-इस्लामी के कम से कम चार पूर्व सदस्यों ने जम्मू-कश्मीर में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन दाखिल किया है।

शरद पवार ने Z+ सुरक्षा के कुछ उपायों को ठुकराया

नई दिल्ली। पूर्व रक्षामंत्री शरद पवार ने जेड-प्लस सुरक्षा के तहत सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सुझाए गए कुछ उपायों को ठुकरा दिया है। केंद्र सरकार ने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे के आकलन की समीक्षा के बाद पवार को हाल ही में जेड-प्लस सुरक्षा दी थी। हालांकि, पवार ने बताया कि उन्हें यह नहीं बताया गया है कि उनकी सुरक्षा क्यों बढ़ाई जा रही है। पता चला है कि पवार ने राष्ट्रीय राजधानी में अपने घर में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात करने, शहर में यात्रा करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वाहन को बदलने और वाहन के अंदर दो सुरक्षाकर्मियों द्वारा उन्हें सुरक्षा देने के प्रस्तावों को ठुकरा दिया है।

सुप्रीम फटकार के बाद सीएम रेड्डी ने मांगी माफी

हैदराबाद। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एक बयान जारी कर शीर्ष अदालत से बिना शर्त माफी मांगी है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक बयान में कहा कि मुझे भारत की न्याय व्यवस्था में दृढ़ विश्वास है। 29 अगस्त को मीडिया में आए मेरे बयानों से लगता था कि मैं न्यायलय पर सवाल खड़े कर रहा हूं। मुझे न्याय और संविधान में पूरा विश्वास है। मैं हमेशा ही न्यायपालिका का सम्मान करता रहूंगा। रेड्डी ने कहा, मैं प्रेस रिपोर्टों में व्यक्त किए गए बयानों के लिए बिना शर्त खेद व्यक्त करता हूं। ऐसी रिपोर्टों में मेरे नाम से की गई टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर कर दिया गया है। रेड्डी ने कविता की जमानत के लिए भाजपा और बीआरएस के बीच कथित सौदेबाजी की ओर संकेत किया था।

झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले बनेंगे नए समीकरण

झामुमो को सियासी झटका, चंपई सोरेन ने थामा भगवा खेमे का दामन

एजेंसी | रांची

झारखंड में इस साल अक्टूबर-नवंबर तक होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बदलते सियासी समीकरणों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन शुक्रवार को अंततः भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। चंपई के भगवा खेमे का दामन थामने को राज्य की हेमंत सोरेन सरकार को एक झटका माना जा रहा है। चंपई ने गत दिनों हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

रांची के धुर्वा स्थित शाखा मैदान में प्रदेश भाजपा की ओर से आयोजित मिलन समारोह में चंपई सोरेन को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस दौरान भाजपा के कई बड़े नेता मौजूद रहे जिनमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी शामिल थे। इस दौरान चंपई का जोरदार स्वागत किया गया, जिससे वह कुछ समय के लिए भावुक भी हो गए। बाद चंपई ने हेमंत सोरेन सरकार पर उनकी जासूसी कराने का आरोप लगाया। यह पहला मौका है जब चंपई ने खुद झारखंड सरकार पर उनकी जासूसी कराने का आरोप लगाया है। इससे पहले केवल भाजपा ही यह आरोप लगा रही थी। उन्होंने कहा, झारखंड प्रदेश के लिए लंबी लड़ाई लड़ी, जिस संगठन को खून पसीने से सींचा आज उसी संगठन से बाहर निकला। उन्होंने कहा कि बहुत अपमान के बाद सन्यास लेने का सोचा। लेकिन झारखंड की जनता के प्यार, उनके समर्थन के कारण राजनीतिक सक्रिय रहने का फैसला लिया। हम संघर्षशील व्यक्ति हैं, संघर्ष का उतार चढ़ाव देखा है। सोचा था कि नया दल बनाएंगे या अच्छा दल मिलेगा तो उसके साथ हो जाएंगे।

हेमंत सरकार पर बोला हमला

चंपई सोरेन ने कहा, जनता की सेवा के लिए मैंने कदम बढ़ाया। हमने कभी नहीं सोचा था कि मेरे पीछे जासूस लगाएंगे। दिल्ली तक मेरा पीछा किया। मैंने सोचा जिस आदमी ने झारखंड के लिए संघर्ष किया उसकी भी जासूसी कर रहे हैं। जासूसी के लिए आदमी भेजे , उस दिन मैंने सोच लिया किसी भी दल में जाएंगे और जनता की सेवा करेंगे।

बांग्लादेशी घुसपैठ ने सब कुछ बदल दिया

चंपई ने आगे कहा, संथाल में बांग्लादेशी घुसपैठ ने सब बदल दिया है। आदिवासी वहां नहीं मिलेंगे। एक-एक करके गांव मिटते जा रहे हैं। लड़ कर झारखंड लिया है। तीर के नोक पर संथाल परगना बनाया है। लेकिन मां बहन की इज्जत बचानी होगी। हम उस खून के पुत्र हैं तो घुसपैठिए को रोक के दिखाएंगे। मजदूर आंदोलन हमने किया। टाटा में नौकरी लगवाई, कभी प्रलोभन नहीं किया। 40 साल पहले जो था आज भी वही हूं। आदिवासी पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेंगे।

शाह से की थी मुलाकात

कुछ ही दिनों पहले चंपई सोरेन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की थी। इस मुलाकात की तस्वीरें असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर शेयर की थी और कहा था कि चंपई 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे।

भावुक हुए सोरेन

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा की मौजूदगी में सोरेन बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। इस दौरान उनका जोरदार स्वागत किया गया, जिससे सोरेन कुछ समय के लिए भावुक भी हो गए।

कांग्रेस ने आदिवासियों पर गोली चलवाई, इसलिए भाजपा को चुना

सोरेन ने कहा, कई छोटी-बड़ी पार्टी हैं लेकिन झारखंड की परिस्थिति के अनुसार मैंने बहुत सोचा। देश में दो बड़ी पार्टी भाजपा और कांग्रेस हैं। कांग्रेस ने सबसे ज्यादा आंदोलन में फायरिंग करवाई। आंदोलन को कुचलवाया। गुआ गोली कांड हुआ। कई लोगों को गोली चला कर मारा। कांग्रेस ने हमेशा आदिवासियों पर गोली चलाई। इसलिए मैंने भाजपा को चुना। संथाल परगना सिद्धू कान्हु की धरती को बचाना है तो भाजपा में जाना है।

शिवराज सिंह ने की चंपई की तारीफ

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सोरेन ने पूरी जिंदगी ईमानदारी से जनता की सेवा की। आज वे झारखंड गठबंधन की भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए भाजपा में आ गए हैं। मैं उनका स्वागत करता हूं। उनके साथ मिलकर भाजपा अब अपनी सरकार बनाएगी और झारखंड की जनता को यहां की बेईमान सरकार से मुक्ति दिलाएगी।

सीएम सिद्धारमैया का आरोप

भाजपा व जद(एस) का कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने का प्रयास

एजेंसी | बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को विपक्षी दल भाजपा और उसकी गठबंधन सहयोगी पार्टी जेडीएस पर आरोप लगाया कि वे राज्य में कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, कथित मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन घोटाले में सीएम ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है कि जिससे उन्हें इस्तीफा देना पड़े। सीएम सिद्धारमैया ने यह भी आरोप लगाया कि भगवा पार्टी अभी भी उनकी सरकार को गिराने के लिए 'ऑपरेशन कमल' का प्रयास कर रही है, लेकिन वे अपने प्रयासों में सफल नहीं होंगे। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि, वे (भाजपा)मेरा इस्तीफा क्यों मांग रहे हैं? क्या उनके मांगने पर ही इस्तीफा दिया जा सकता है? सिर्फ इसलिए कि विजयेंद्र इस्तीफा मांगते हैं, क्या यह दिया जा सकता है? फिर मैं विजयेंद्र से उनकी पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के लिए कहूंगा, क्या वह मान जाएंगे? सीएम ने कहा, शनिवार को इस मामले में कोर्ट में बहस होगी। देखते हैं कि उच्च न्यायालय क्या फैसला करता है। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। दरअसल भाजपा मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण साइट आवंटन घोटाले के सिलसिले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के इस्तीफे की मांग कर रही है

आज राज्यपाल से मिलेगा कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल

सिद्धारमैया ने कहा कि सभी कांग्रेस विधायक और सांसद शनिवार को राज्यपाल से मिलेंगे और उनसे जेडी(एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और भाजपा के पूर्व मंत्रियों शशिकला जोले, मुरुगेश निरानी, जी. जनार्दन रेड्डी के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी मांगने वाले लंबित अनुरोधों पर कार्रवाई करने का अनुरोध करेंगे। उन्होंने कहा, वे काफी समय से लंबित हैं, हम उनके खिलाफ अभियोजन स्वीकृति की मांग करेंगे। क्योंकि उन सभी मामलों में जांच पूरी हो चुकी है और आरोप पत्र दाखिल करना बाकी है। मेरे मामले में अभी तक जांच नहीं हुई है, कोई रिपोर्ट नहीं है।

रामदास बने मंत्री, बनेंगे चंपई का विकल्प !

एजेंसी | रांची

पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होन के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रामदास सोरेन को अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया है। राज्यपाल ने एक समारोह में रामदास को पद और गोपनीयता की शपथ ली। समझा जता है कि सीएम हेमंत सोरेन ने चंपई सोरेन के झामुमो छोड़ने से उपजी रिक्तता की भरपाई के लिए रामदास सोरेन को मंत्रिमंडल में शामिल किया है। कोल्हान टाइगर के नाम से मशहूर चंपई झारखंड आंदोलन की उपज हैं और उनका आदिवासियों पर अच्छा प्रभाव

माना जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार सीएम सोरेन ने रामदास को मंत्री बनाकर

एक तीर से कई निशाने साधे हैं। वैसे रामदास सोरेन दूसरी बार (2009 और 2019 से अब तक) विधायक हैं, पर उनमें और चंपई में कई समानताएं हैं। रामदास भी चंपई की तरह संथाली हैं। वे कोल्हान में आदिवासी बहुल क्षेत्र घाटशिला से आते हैं और अलग झारखंड के आंदोलनकारी भी रहे हैं। लंबे समय से पूर्वी सिंहभूम के झामुमो संगठन की कमान उनके हाथों में ही रही है।

चंपई की सियासी काट की तैयारी में झामुमो

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि चंपई के मुकाबले ज्यादातर मानकों में रामदास फिट बैठते हैं। चंपई सरायकेला से निर्वाचित होते रहे हैं तो रामदास इससे सटे घाटशिला से। चंपाई संथाली समुदाय के सशक्त हस्ताक्षर हैं तो रामदास की भी झामुमो में संगठनकर्ता के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका है। उनका यहां तक कहना है कि चंपई सोरेन का कोल्हान में इतना बड़ा कद हो गया था कि उनके नीचे के दूसरे नेताओं को उभरने का मौका नहीं मिल सका। लेकिन रामदास के रूप में हो रही पहल से क्षेत्र के दूसरे नेताओं के दिन अब बहुरेंगे। झामुमो महासचिव विनोद कुमार पांडेय का कहना है कि रामदास कुशल संगठनकर्ता हैं और पार्टी को उनके अनुभव का लाभ जरूर मिलेगा।

कांग्रेस संगठन में फेरबदल : चुनावी राज्यों में करेंगे काम

दानिश अबरार, दिव्या मदेरणा और धीरज गुर्जर सचिव बने

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सचिवों और संयुक्त सचिवों की नियुक्ति की है। संगठन महासचिव के.सी.वेणुगोपाल ने बताया कि ये पदाधिकारी पार्टी के महासचिव और संबंधित राज्यों के प्रभारियों के साथ काम करेंगे। राजस्थान के पूर्व विधायक दानिश अबरार को दिल्ली और दिव्या मदेरणा को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रणब झा और गौरव पांधी अब कांग्रेस के सचिव बनाए गए

हैं। ये अब तक कांग्रेस अध्यक्ष के कार्यालय में समन्वयक थे। वहीं, विनीत पुनिया कांग्रेस के संचार विभाग में सचिव बने रहेंगे। जबकि रुचिका चतुर्वेदी को इस विभाग में सचिव के रूप में नियुक्ति दी गई है। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष नेट्टा डी सूजा, एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष नीरज कुंदन और नवीन शर्मा भी कांग्रेस के सचिव के रूप में काम करेंगे। मनोज त्यागी और सुशांत मिश्रा को संयुक्त सचिव नियुक्ति किया गया है। पार्टी के एक नेता ने कहा कि संगठन में वफादार और मेहनत करने वालों को इनाम दिया गया है। धीरज गुर्जर, प्रदीप नरवाल, राजेश तिवारी, तौकीर आलम, निलांशी चतुर्वेदी और सत्यनारायण पटेल को उत्तरप्रदेश में कांग्रेस सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत शरद यादव की बेटी सुभाषिनी यादव को भी सचिव नियुक्त किया गया है।

महाराष्ट्र: मंत्री के बयान पर बवाल

अजित के पास बैठता हूं तो उल्टी आती है: तानाजी सावंत, भड़के राकांपा नेता

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति सरकार में स्वाथ्य मंत्री तानाजी सावंत के एक बयान को लेकर राज्य की राजनीति में सियासी भूकंप आ गया है। सावंत, शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना से मंत्री हैं। उन्होंने कथित रूप से कहा था कि कैबिनेट की बैठक में जब मैं अजित पवार के बगल में बैठता हूं तो उल्टी आती है। सावंत के बयान पर राकांपा (अजित पवार) और राकांपा एसपी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। राकांपा (अजित पवार) ने सावंत के इस्तीफे की मांग की है।

एनसीपी (शरद पवार) के प्रवक्ता महेश तापसे ने कहा है कि तानाजी सावंत ने यह बयान भाजपा और शिंदे के इशारे पर दिया है। उन्होंने कहा कि अजित पवार एक स्वाभिमानी नेता हैं। इसके साथ सवाल खड़ा किया है कि क्या वे सत्ता की लालच में अब भी सरकार में बने रहेंगे? तानाजी सावंत के बयान पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के प्रवक्ता उमेश पाटिल ने कहा 'या तो वह (तानाजी सांवत) रहेंगे या फिर एनसीपी'। पाटिल ने यहां तक कह दिया है कि अगर उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त नहीं किया गया तो हमें (एनसीपी) महायुति मंत्रिमंडल छोड़ देना चाहिए।

पाटिल ने कहा, मैं हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार और हमारे सभी वरिष्ठ नेताओं से मंत्रिमंडल छोड़ने का अनुरोध करता हूं। पाटिल ने कहा कि जब तक सावंत को बर्खास्त नहीं किया जाता, पवार को कैबिनेट की किसी बैठक में भाग नहीं लेना चाहिए। यहां तक कि हमारे मंत्रियों को भी सावंत को बर्खास्त किए जाने तक कैबिनेट की बैठकों का बहिष्कार करना चाहिए। हम सावंत की माफी या इस बयान को स्वीकार नहीं करेंगे कि उनके बयान को गलत समझा गया। हम चाहते हैं कि वह तुरंत सत्ता से बाहर हों। उन्होंने आगे कहा कि राकांपा सत्ता के लिए बेताब नहीं है। हम ऐसे मंत्री के साथ काम नहीं कर सकते जो इस तरह के अपमानजनक बयान देता हो। वह महायुति मंत्रिमंडल में शामिल होने के योग्य नहीं हैं। उन्हें तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए।

प्रतिमा मामले में राकांपा (अजित) कार्यकर्ताओं का मौन प्रदर्शन

इस बीच, महायुति सरकार में शामिल अजित पवार नीत राकांपा ने शिवाजी की मूर्ति गिरने के खिलाफ मौन प्रदर्शन किया। साथ ही, इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एनसीपी कार्यकर्ताओं ने इसे लेकर तहसीलदारों और जिलाधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। इसमें प्रतिमा की खराब गुणवत्ता के लिए जिम्मेदार कलाकार और अन्य लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। हालांकि, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुखय अजीत पवार ने शुक्रवार को राजकोट किले में उस जगह का दौरा किया जहां स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढह गई थी। उन्होंने उसी स्थान पर शिवाजी महाराज की भव्य प्रतिमा स्थापित करने का संकल्प लिया। उन्होंने शिवाजी को महाराष्ट्र का गौरव और स्वाभिमान बताया।

जरूरी खबर

पीएम मोदी की ब्रुनेई व सिंगापुर यात्रा 3 सितंबर से

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर के पहले सप्ताह में ब्रुनेई और सिंगापुर की यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 और 4 सितंबर को ब्रुनेई का दौरा करेंगे। इसके बाद 4 और 5 सितंबर को सिंगापुर की यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ब्रुनेई के सुल्तान हाजी हसनअल बोल्किया के निमंत्रण पर ब्रुनेई का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक यह भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पीएम मोदी 3 और 4 सितंबर को ब्रुनेई की यात्रा पर रहेंगे। यह यात्रा भारत और ब्रुनेई के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि ब्रुनेई की यात्रा के बाद पीएम मोदी सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के निमंत्रण पर 4 और 5 सितंबर को वहां जाएंगे।

जगदीश टाइटलर पर चलेगा हत्या का मुकदमा

नई दिल्ली। सिखों के खिलाफ दंगों के मामले में आरोपी कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर पर हत्या का मुकदमा चलेगा। केंद्रीय जांच एजेंसी ने अपनी चार्जशीट में टाइटलर पर हत्या का मुकदमा चलाने की अपील की थी। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को सीबीआई की दलील को स्वीकार करते हुए टाइटलर पर आरोप तय कर दिए। तय आरोपों के अनुसार, कांग्रेस नेता पर दंगा भड़काने और हत्या में शामिल होने का मुकदमा चलेगा। बीएनएस में इन अपराधों में फांसी से लेकर आजीवन कारावास तक की अधिकतम सजा संभव है।

पतंजलि का एक और उत्पाद विवाद में, SC में याचिका

नई दिल्ली। योग गुरु रामदेव का पतंजलि एक बार फिर से विवादों में घिर गया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने पतंजलि के दिव्य दंत मंजन को शाकाहारी ब्रांड के रूप में पेश करने के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के अनुरोध संबंधी याचिका पर शुक्रवार को केंद्र से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता के वकील ने दावा किया कि दंत चिकित्सा प्रोडक्ट को हरे रंग के डॉट के साथ बेचा जा रहा है, जो कि यह दर्शाता है कि यह एक शाकाहारी वस्तु है लेकिन इस दंत प्रोडक्ट में मछली का अर्क है, जो एक मांसाहारी है।

फिनटेक फेस्ट में शामिल हुए पीएम मोदी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मुंबई में जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर के ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024 में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने एक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

सुखबीर बादल को किया 'तनखैया' घोषित

अमृतसर। श्री अकाल तख्त साहिब ने शुक्रवार को शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल को तनखैया (धर्म विरोधी काम करने वाला शख्स) घोषित कर दिया। यह आदेश श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने सुनाया। उन्होंने कहा कि 2007 से उनके कार्यकाल के दौरान लिए गए फैसलों से सिख हित प्रभावित हुए हैं, जिसके चलते सुखबीर बादल को सजा सुनाई जा रही है। रघबीर सिंह ने कहा कि सुखबीर बादल ने अकाली दल के प्रधान और डिप्टी सीएम रहते हुए कुछ ऐसे फैसले लिए, जिससे पंथिक स्वरूप को नुकसान पहुंचा. उन्होंने कहा कि 2007 से 2017 तक सिख कैबिनेट मेंबर्स को भी अपना स्पष्टीकरण देना चाहिए।

छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा गिरने पर प्रधानमंत्री ने मांगी माफी... कहा-

वे सिर्फ राजा-महाराजा नहीं, आराध्य देव हैं... मैं माफी मांगता हूं: PM मोदी

एजेंसी | पालघर (महाराष्ट्र)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज को अपना आराध्य बताते हुए सिंधुदुर्ग जिले में स्थापित उनकी प्रतिमा के गिरने की घटना पर शुक्रवार को लोगों से क्षमा-प्रार्थना की। मोदी शुक्रवार को महाराष्ट्र के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने मुंबई में फिनटेक सम्मेलन को संबोधित करने के बाद, पालघर जिले में वाढवण में एक विशाल बंदरगाह परियोजना का शिलान्यास करने के बाद एक सभा को सबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, "पिछले दिनों सिंधुदुर्ग में जो हुआ, मेरे लिए, मेरे सभी साथियों के लिए मन व्यथित करने वाला क्षण है। छत्रपति शिवाजी महाराज ये सिर्फ नाम नहीं है। हमारे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ राजा, महाराजा, राजपुरुष मात्र नहीं है, हमारे लिए वे आराध्य देव हैं और मैं आज सिर झुकाकर के अपने आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज के चरणों में नतमस्तक होकर माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरणा लेकर हम विकसित महाराष्ट्र-विकसित भारत के संकल्प पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

सावरकर को लेकर विपक्ष पर निशाना

मोदी ने इस मामले में विपक्ष पर भी प्रहार किया और कहा कि विपक्ष के कुछ नेता वीर सावरकर जैसे देश के महान सपूत को गालियां देते हैं और इसके लिए माफी मांगने के बजाय अदालत में अपना बचाव करते हैं। उन्होंने कहा, हमारे संस्कार अलग हैं, हम वो लोग नहीं हैं, जो आए दिन भारत मां के महान सपूत, इसी धरती के लाल वीर सावरकर को अपमानित करते रहते हैं।

फिनटेक क्रांति पर सुनाई खरी-खरी, कसा तंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में कहा कि जब ज्ञान की देवी सरस्वती मां ज्ञान प्रदान कर रही थीं, तो कुछ स्वयंभू विशेषज्ञ पहले से ही संदेह व्यक्त कर रहे थे। वे सवाल करते थे कि भारत में फिनटेक क्रांति कैसे हो सकती है, वे मुझ जैसे किसी चायवाले से भी पूछ रहे थे। पीएम ने कहा कि कई लोगों ने सवाल उठाए, लेकिन एक दशक में भारत ने एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखा है। पीएम ने कहा कि 21वीं सदी की दुनिया तेजी से बदल रही है। देश के करेंसी से लेकर क्यूआर कोड तक की यात्रा में सदियां लग गईं, लेकिन अब हम हर दिन नए-नए इनोवेशन देख रहे हैं। आज, डिजिटल-ओनली बैंक और नियो-बैंकिंग जैसी अवधारणाएं उभर रही हैं। आज, जोखिम प्रबंधन, धोखाधड़ी का पता लगाना और ग्राहक अनुभव, हर चीज में बदलाव हो रहा है।

लोगों ने डिजिटल पेमेंट को दिल से अपनाया

पीएम ने इसी के साथ कहा कि आज दुनिया का आधा रियल टाइम ट्रांजैक्शन भारत में हो रहा है। इस बात से अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत के लोगों ने डिजिटल पेमेंट को दिल से अपनाया है।

वढावण बंदरगाह परियोजना की रखी नींव, 76,000 करोड़ होंगे खर्च

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को महाराष्ट्र के पालघर में वढावण बंदरगाह परियोजना की आधारशिला रखी। इस पर 76,000 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, महाराष्ट्र का विकास मेरी बहुत बड़ी प्राथमिकता है। आज भारत की प्रगति में महाराष्ट्र बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है। हमारे देश को वर्षों से दुनिया के साथ व्यापार के लिए एक बड़े और आधुनिक पोर्ट की जरूरत थी। इसके लिए महाराष्ट्र का पालघर ही सबसे उपयुक्त जगह है, लेकिन इस प्रोजेक्ट को 60 वर्षों तक लटका कर रखा गया। इतने जरूरी काम को कुछ लोग शुरू नहीं होने दे रहे थे।

क्या है वढावण परियोजना

- पालघर जिले के दहानू शहर के पास स्थित वढावण बंदरगाह भारत में गहरे पानी में स्थित सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक होगा। इसका उद्देश्य विश्वस्तरीय समुद्री प्रवेश द्वार स्थापित करना है, जो देश के व्यापार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।
- यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन के लिए सीधा संपर्क प्रदान करेगा, समय की बचत करेगा और लागत में भी कमी लाएगा।
- यह मॉडर्न टेक्नोलॉजी और बुनियादी ढांचे से लैस होगा। इसकी प्रबंधन प्रणाली भी आधुनिक होगी।7. एक बार चालू होने के बाद यह बंदरगाह भारत के समुद्री संपर्क को बढ़ाएगा। साथ ही, वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में स्थिति को और मजबूत करेगा।

विदेश मंत्री जयशंकर की दो टूक

पाकिस्तान के साथ वार्ता का दौर अब खत्म

एजेंसी | नई दिल्ली

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शिखर बैठक में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पाकिस्तान के निमंत्रण के बीच विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने इस पड़ोसी देश को खरी खरी भी सुनाई है। उन्होंने कहा है कि मुझे लगता है कि पाकिस्तान के साथ निर्बाध बातचीत का युग खत्म हो चुका है। विदेश मंत्री जयशंकर ने राजदूत राजीव सीकरी की नई किताब 'स्ट्रैटेजिक कॉनड्रम्सः रीशेपिंग इंडियाज फॉरेन पॉलिसी' के विमोचन के मौके पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि हर काम के परिणाम होते हैं। जहां तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, मुझे लगता है कि अनुच्छेद-370 खत्म हो चुका है, इसलिए, आज मुद्दा यह है कि हम पाकिस्तान के साथ किस तरह के संबंधों पर विचार कर सकते हैं? उन्होंने आगे कहा, राजीव ने अपनी किताब में सुझाव दिया है कि शायद भारत मौजूदा स्तर के संबंधों को जारी रखने से संतुष्ट है। शायद हां, शायद नहीं... हम निष्क्रिय नहीं हैं, और चाहे घटनाएं सकारात्मक या नकारात्मक दिशा में जाएं, हम

उस पर प्रतिक्रिया करेंगे। उन्होंने कहा, जहां तक अफगानिस्तान का सवाल है, वहां लोगों के बीच मजबूत संबंध हैं। जब हम आज अपनी अफगान नीति की समीक्षा करते हैं, तो मुझे लगता है कि हम अपने हितों के बारे में बहुत स्पष्ट हैं। हम अपने सामने मौजूद विरासत में मिली बुद्धि से भ्रमित नहीं हैं। जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी सेना की मौजूदगी वाला अफगानिस्तान अमेरिका की मौजूदगी के बिना अफगानिस्तान से बहुत अलग है। जयशंकर ने कहा कि भारत को बांग्लादेश के साथ आपसी हितों का आधार तलाशना होगा और भारत 'वर्तमान सरकार' से निपटेगा। बांग्लादेश की स्वतंत्रता के बाद से हमारे संबंधों में उतार-चढ़ाव आते रहे हैं और यह स्वाभाविक है कि हम तत्कालीन सरकार के साथ व्यवहार करेंगे।

ओमान की ओर बढ़ा चक्रवात असना

अहमदाबाद/नई दिल्ली। गुजरात के कच्छ तट पर शुक्रवार दोपहर बना चक्रवात 'असना' अब अरब सागर की ओर बढ़ चुका है और ओमान की ओर बढ़ रहा है। इसका कच्छ क्षेत्र पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कच्छ जिला कलेक्टर अमित अरोड़ा के मुताबिक, सुरक्षा के लिए स्थानीय प्रशासन ने करीब 3,500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया था और झुग्गी-झोपड़ियों और कच्चे मकानों में रहने वाले लोगों को अन्य भवनों में शरण लेने के लिए कहा गया था। अरोड़ा ने बताया कि चक्रवात के समुद्र में चले जाने और ओमान की ओर बढ़ने के बाद तट पर कुछ बारिश और तेज हवा चलने के अलावा कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा। अभी तक किसी प्रकार के जन-धन के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

जब्त वाहन को वापस नहीं लौटाया

गुंडों का समूह हैं बैंक के वसूली एजेंट: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक बैंक की वसूली एजेंट फर्म को गुंडों का समूह करार दिया। कोर्ट ने कहा कि बैंक की इस वसूली फर्म ने लोन राशि का एकमुश्त निपटान करने के बावजूद एक व्यक्ति से जब्त किया गया वाहन उसे वापस नहीं किया। न्यायालय ने पश्चिम बंगाल पुलिस को दो महीने के भीतर कंपनी के खिलाफ आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल करने का निर्देश दिया है।

न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने पीड़ित देवाशीष बसु रॉय चौधरी को मुआवजा देने का निर्देश दिया। पीठ ने बैंक ऑफ इंडिया

को रिकवरी एजेंट से राशि वसूलने का भी निर्देश दिया। चौधरी ने कोलकाता में बस चलाने के इरादे से 15.15 लाख रुपए का ऋण लिया था। पीठ ने अपने हालिया आदेश में कहा, याचिकाकर्ताओं द्वारा रखी गई दलीलों के मद्देनजर हम पाते हैं कि प्रतिवादी संख्या-चार (एक रिकवरी एजेंट) वास्तव में गुंडों का एक समूह है, जो ऋण लेने वाले लोगों को परेशान करने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल करता है।। पीठ ने कहा, 'संबंधित क्षेत्र के पुलिस आयुक्त को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है कि वह भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 406, 420 और 471 के तहत पश्चिम बंगाल के पुलिस स्टेशन सोदेपुर में पांच जुलाई, 2023 को दर्ज प्राथमिकी की जांच बिना किसी देरी के तार्किक निष्कर्ष पर ले जाए और दो महीने की अवधि के भीतर आरोप-पत्र दायर किया जाए।

शीर्ष अदालत ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के 16 मई के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसके तहत बैंक को वाहन वापस न करने के अपने निर्णय के लिए चौधरी को पांच लाख रुपए का अंतरिम मुआवजा देने के लिए कहा गया था। उच्च न्यायालय ने लोन लेने वाले शख्स को अधिक मुआवजे के लिए सिविल न्यायालय में जाने की स्वतंत्रता दी थी।

चौधरी ने 15.15 लाख रुपए के लोन के लिए बैंक से संपर्क किया था और उनकी साख की संतुष्टि के बाद, उनका ऋण स्वीकृत कर दिया गया था और दिसंबर 2014 से 26,502 रुपये की 84 समान मासिक किस्तों में ब्याज सहित चुकाया जाना था। संबंधित वाहन (बस) बैंक के पास बंधक था। बैंक ने दलील दी कि जनवरी 2018 से चौधरी मासिक किस्त का भुगतान नहीं कर पा रहे थे और 31 मई, 2018 को उनके खाते को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति यानी एनपीए घोषित कर दिया गया। एनपीए की तारीख तक ऋण की बकाया राशि 10.23 लाख रुपए थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि बैंक ने मेसर्स सिटी इन्वेस्टिगेशन एंड डिटेक्टिव यानी तथाकथित रिकवरी एजेंट की सेवाएं लीं, जिन्हें बैंक की ओर से चौधरी के वाहन को जब्त करने में सरकारी अधिकारियों द्वारा सहायता प्रदान की गई थी।

आरोपी छात्र गिरफ्तार

गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में हिडन कैमरा मिलने से बवाल

एजेंसी | अमरावती/विजयवाड़ा

कोलकाता की घटना के बाद अब आंध्र प्रदेश से हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। राज्य के कृष्णा जिले में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में हिडन कैमरा लगा होने का खुलासा हुआ है। इसके विरोध में छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन किया और कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने इस मामले में आरोपी बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र विजय का सेलफोन जब्त कर लिया और उससे पूछताछ करने के बाद मामला दर्ज किया है। यह भी सामने आया है कि गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम से करीब 300 से ज्यादा तस्वीरें और वीडियो भी लीक हुए

हैं। घटना गुरुवार की है। पुलिस की शुरुआत जांच में सामने आया है कि बीटेक स्टूडेंट ने अपनी गर्लफ्रेंड को ब्लैकमेल करने क लिए कैमरा लगवाया था। आंध्र प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेज में हिडन कैमरा की घटन सामने आने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने संज्ञान लिया है। उन्होंने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

जेकेके की अलंकार आर्ट गैलरी में तीन दिवसीय आर्ट एग्जीबिशन

कृष्ण लीलाएं ऐसी सजीव उकेरीं कि हाथ जोड़ खड़े हो गए दर्शक

बेधड़क | जयपुर

सोने-चांदी से सजे व नेचुरल स्टोन कलर से रंगे भगवान कृष्ण के विभिन्न स्वरूपों को पिछवाई, तंजोर व मिनिएचर आर्टफॉर्म्स में ऐसा रूप दिया गया कि हर कोई रोमांचित हो गया। किसी ने हाथ जोड़कर तो किसी ने पेंटिंग के सामने देर तक खड़े होकर भगवान की आराधना भी की। कुछ ऐसा ही मनभावन नजारा रहा 'दर्शनम' कला प्रदर्शनी का। विजेंद्र बंसल की ओर से जन्माष्टमी और राधाष्टमी के पावन पर्व पर जवाहर कला केंद्र के अलंकार गैलरी में तीन दिवसीय आर्ट एग्जीबिशन में इस दौरान फैशन डिजाइनर व समाज सेविका डॉ. पूजा राणावत, ब्लॉगर मार्सेला बौर, सीनियर आर्टिस्ट विद्यासागर उपाध्याय, सोशल एक्टिविस्ट सुधीर माथुर और दर्शनम से विजेंद्र बंसल व अभिनव बंसल द्वारा उद्घाटन किया गया।

दर्शकों ने पिछवाई आर्ट करना सीखा

भगवान के राजभोग स्वरुप, बालरूप स्वरुप, गिरिराजजी, दान लीला जैसे सभी उत्सव स्वरूपों को कलाकृतियों में संजोया है। संग्रह से आने वाली पीढ़ी भी विभिन्न पिछवाई आर्ट फॉर्म्स को जाने और उनकी बारीकियों को सीखेगी। इस दौरान लाइव पेंटिंग वर्कशॉप में दर्शकों ने नेचुरल स्टोन कलर्स और शनील के कपड़े पर ट्रेडिशनल तरीके से पिछवाई आर्ट करना सीखा।

लाइव वर्कशॉप से होंगे आर्ट लवर्स लाभान्वित

1 सितम्बर तक चलने वाली एग्जीबिशन में पिछवाई ट्रेडिशनल आर्ट से जुड़ी जानकारी को लाइव वर्कशॉप के जरिए अतिथियों और शहर के आर्ट लवर्स से साझा किया जाएगा। विजेंद्र बंसल ने लगभग 70 से 80 साल पुराने कला संग्रह के बारे में बताया कि एग्जीबिशन के जरिए राजस्थान के ट्रेडिशनल आर्टफॉर्म पिछवाई को एक उत्सव के तौर पर मानना चाहते हैं। ऐसे में कृष्ण जन्मोत्सव पर हमने श्रीनाथजी कमलतलाई, कामधेनु गाय, राधा-गोविन्द, गोविन्द देवजी, कृष्ण जन्म, रासलीला, नटखट गोपाल जैसी पेंटिंग्स दिखाई।

तीन दिन में बच्चों ने देखी 55 फिल्में

बेधड़क. जयपुर। आर्यन इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्ट ऑफ जयपुर और सिक्सटीन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स का समापन शुक्रवार को किया गया। तीन दिनों तक जयपुर के 8 स्कूलों में हजारों छात्रों ने फिल्में देखी और फिल्म मेकर्स के साथ संवाद करने का मौका मिला। इस दौरान बच्चो ने शिक्षा, महिला, पर्यावरण, लिंग भेद, समसामयिक विषयों पर आधारित मुद्दों को मूवीज में जाना। फेस्टिवल में पहली बार सिनेमा ऑन व्हील्स जो एक ट्रक में डिजाइन सिनेमा है को एंजॉय किया गया। इस मौके पर तीनों दिनों में 21 देशों की 55 फिल्में हजारों बच्चों को निःशुल्क देखने का मौका मिला। अगले साल फेस्टिवल्स का आयोजन 26 से 28 अगस्त तक होगा।

वास्तुकला पर होगी चर्चा

बेधड़क. जयपुर। जवाहर कला केन्द्र जयपुर की ओर से आर्किटेक्ट चार्ल्स कोरिया के जन्मदिवस को ध्यान में रखते हुए संवाद प्रवाह का आयोजन किया जाएगा। 1 सितंबर सुबह 9 से 11:30 बजे कृष्णायन में जेकेके, दी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स, राजस्थान चैप्टर और अरबन स्केचर्स की ओर से चर्चा सत्र में आर्किटेक्ट प्रणयदीप, तुषार सोगानी, कॉन्ट्रैक्टर अशोक अग्रवाल और दिनेश चौधरी विचार रखेंगे। सभी जेकेके के निर्माण कार्य में चार्ल्स कोरिया के साथ जुड़े रहे हैं। सत्र में वे जेकेके के आर्किटेक्चर और चार्ल्स कोरिया के जीवन पर प्रकाश डालेंगे। गौरतलब है 1987 में जवाहर कला केन्द्र की नींव रखी गई थी। चार्ल्स कोरिया ने जयपुर संस्थापक सवाई जयसिंह द्वितीय की वास्तु कला से प्रेरणा लेकर जयपुर की चौपड़ प्रणाली के आधार पर केन्द्र की डिजाइन की थी।

मंच पर जीवंत होगा 'अलबेला गांव'

बेधड़क, जयपुर। क्यूरियो चिल्ड्रंस थिएटर जयपुर की ओर से 11 अगस्त से रवींद्र मंच पर शुरू हुए फॉलोअप सेशन के तहत 1 सितंबर को रवींद्र मंच पर शाम 7 बजे इंप्रोवाइजेशन मैथड से तैयार थिएटर इन एजुकेशन बेस्ड नाटक अलबेला गांव का मंचन होगा। कोलाज ऑफ किलकारी में आए हुए स्टूडेंट्स नाटक में काम करेंगे। नाटक में समर्थ, आशीष मिश्रा, अक्षय, मृत्युंजय, दिव्यांश, रिदम, तनिष्क, अथर्व रोचक प्रस्तुति देंगे। बैक स्टेज में प्रेरणा, सांची, पल्लवी, कमलेश, रागिनी, कमल रहेंगे।

City इवेंट्स

जयपुराइट्स तीन गुना अधिक जागरूक

बेधड़क, जयपुर। 'मैं जयपुर की गलियों में घूमा हूं। पूरे देश में इतना समय नहीं बिताया, जितना गुलाबी नगरी में बिताया है। यही कारण है कि यहां के लोगों के मिजाज और जरूरतों को समझता हूं।' यह जर्नी शंयर की अमेजन इंडिया के डायरेक्टर ऑफ कंज्यूमेबल्स निशांत रमन ने, जो उन्होंने उत्सुकता के साथ जयपुराइट्स के साथ शेयर की। इस मौके पर उन्होंने इंटरेक्ट करते हुए क्वेरीज को जाना और सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि मैंने यहां खूब स्टडी की है और पता है कि पीनट बटर जैसे स्प्रेड के लिए जयपुर चौथे सबसे अधिक यूनिट के रूप में है। यहां रहने वाले लोग नेशनल एवरेज की तुलना में तीन गुना अधिक हेल्थि बार्स, होम्योशपैथिक दवाएं, मल्टीविटामिंस लेते हैं। उन्होंने बताया कि सीजन के दौरान स्वस्थ विकल्पों के लिए जयपुर में जो मजबूत वृद्धि है वह जयपुराइट्स की उस मानसिकता का प्रमाण है जो वेलनेस, क्वालिटी और वैल्यू को प्राथमिकता देते हैं। जयपुर दिल के करीब है। जयपुराइट्स बेबी को बहुत प्यार करते हैं, क्योंकि बेबी की चीजों को बहुत पसंद करते हैं।

छाजूराम को 'संस्कृत विद्वत सम्मान'

बेधड़क, जयपुर। संस्कृत क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए विराटनगर के पणदो गांव के निवासी डॉ. छाजू राम गुर्जर को 'संस्कृत विद्वत सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। राज्यसरकार द्वारा गठित उच्चस्तरीय विद्वच्चयन समिति की अनुशंसा पर गुर्जर को यह सम्मान कोटा के श्रीनाथपुरम् स्थित नगर विकास न्यास सभागार में 2 सितंबर को होने वाले राज्यस्तरीय विद्वत्सम्मान समारोह में प्रदान किया जाएगा। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री डॉक्टर प्रेमचंद बेरवा होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, अति विशिष्ट अतिथि राज्य मंत्री हीरालाल नागर, विशिष्ट अतिथि विधायक संदीप शर्मा और विधायक कल्पना देवी आदि उपस्थित रहेंगे।

गौरवमती माताजी का समाधि दिवस आज

बेधड़क, जयपुर। गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी का समाधि दिवस शनिवार सुबह 9:15 बजे से आगरा रोड स्थित अतिशय क्षेत्र चूलगिरि स्थित माताजी के समाधि स्थल पर मनाया जाएगा। इस दौरान श्रद्धालुगण और गुरु मां सुपार्श्व-गौरव भक्त मंडल के सभी सदस्य एकत्रित होंगे। समाधि स्थल पर जलाभिषेक किया जाएगा और अष्ट द्रव्यों के साथ गुरु पूजन कर पुष्पचक्र चढ़ाया जाएगा। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि गणिनी आर्यिका गौरवमती माताजी की समाधि भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी के दिन रात्रि 11:22 बजे भट्टारकजी की नसियां में विराजमान आचार्य सुनील सागर सहित 60 से अधिक दिगंबर जैन संतों और साध्वियों के सानिध्य में हुई थी।

नीक का फर्स्ट सिंगल गोल्डन सपेरो रिलीज

रॉयन में एक्शन की फुल डोज देने के बाद अब धनुष डूबेंगे रोमांस में

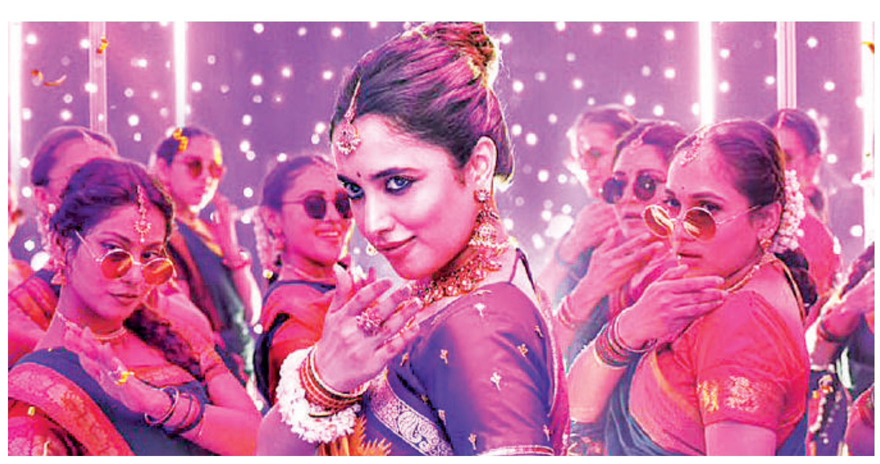

बेधड़क | जयपुर

धनुष इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म रायन की सक्सेस को एंजॉय कर रहे हैं। रॉयन अभी सिनेमाघरों में धूम मचा रही है और इसके डायरेक्टर धनुष एक और फिल्म सिनेमाघरों में उतारने की तैयारी में है। फिल्म का नाम है निलावुकु एनमेल एन्नाडी कोबम (नीक), जिसका फर्स्ट सिंगल सांग गोल्डन सपेरो शुक्रवार शाम 6 बजे वंडरबार फिल्म्स के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। धनुष ने गाने का यू ट्यूब लिंक शेयर करते हुए अंग्रेजी में लिखा है- #NEEK फर्स्ट सिंगल गोल्डन सपेरो। गाना आरिवु ने लिखा है, जिसे संगीत दिया है जी वी प्रकाश कुमार। गाने को सुबलाशिनी, जी वी प्रकाश कुमार, धनुष और अरिवु ने आवाज दी है।

गणेशन एस द्वारा प्रोग्राम किया गया है, जिसमें भारतीय तालवाद्य कार्तिक वामसी, कविराज ने दी है। अश्विन जॉर्ज जॉन ने साउंड्स राइट स्टूडियो, चेन्नई में इसे रिकॉर्ड किया गया है। रिकॉर्ड, मिश्रित और मास्टर डिवाइन लैब्स के यहोवासन अलगर द्वारा किया गया। वंडरबार फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड प्रस्तुत इस मूवी में पाविश, अनिखा सुरेंद्रन, प्रिया प्रकाश वारियर, मैथ्यू थॉमस, वेंकटेश मेनन, राबिया खातून, राम्या रंगनरहन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। धनुष के निर्देशन में में बनी इस मूवी को कस्तूरी राजा और विजयलक्ष्मी कस्तूरी राजा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है।

फिक्की फ्लो मैंबर्स, शिक्षक और आमजन आए आगे

पौधरोपण कर बताया पेड़ लगाने का महत्व, लिया सुरक्षा संकल्प

बेधड़क | जयपुर

फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर की मैंबर्स ने प्लांटेशन करते हुए लोगों को ग्रीनरी लाने का मैसेज दिया। अध्यक्षा रघुश्री पोद्दार के साथ ग्राम पंचायत दांतली गांव जयपुर में अभियान चलाया गया। अभियान में 150 पेड़ लगाए गए, जिसमें फ्लो कार्यकारी समिति सदस्य, फ्लो समुदाय और शिक्षक शामिल थे। दांतली गांव के सरपंच ने आयोजन में भाग लिया और फिक्की जयपुर टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी के समर्पण के लिए आभार जताया। साथ ही पेड़ लगाने के महत्व के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करने के लिए पास के स्कूल के बच्चों को अभियान से जोड़ा गया।

रघुश्री पोद्दार ने सभी प्रतिभागियों को उनकी भागीदारी के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया और पर्यावरणीय स्थिरता की व्यापक दृष्टि को प्राप्त करने में ऐसी सामुदायिक-प्रेरित पहलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने युवा पीढ़ी को ऐसी गतिविधियों में शामिल करने के महत्व को भी रेखांकित किया ताकि भविष्य की पीढ़ी अपने पर्यावरणीय उत्तरदायित्वों के प्रति जागरूक हो सके। गौरतलब है वृक्षारोपण अभियान फिक्की फ्लो जयपुर की प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जो पर्यावरण जागरूकता और स्थिरता को बढ़ावा देने वाली पहलों में समुदाय को शामिल करने का प्रयास कर रही है।

पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप | जॉर्डन के लिए 2 सितंबर को रवाना होंगे खिलाड़ी

जयपुर के कृतवर्य भारतीय यूथ पुरुष हैंडबॉल टीम में

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के महेंद्र पाल सिंह, कृतवर्य प्रताप सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह व कृष कलाल का चयन अम्मान (जॉर्डन) में 3 से 14 सितंबर तक होने वाली एशियन यूथ पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ।

टीम सोमवार को जॉर्डन के लिए रवाना होगी। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया महासचिव डा. तेजराज सिंह खंगारोत ने बताया कि भारतीय टीम का कप्तान जम्मू कश्मीर के रिदम शर्मा को बनाया है, जबकि उपकप्तान चंडीगढ़ के पीयूष सिंह हैं। चैंपियनशिप में भारतीय टीम पूल बी में मेजबान जॉर्डन व जापान के साथ है।

भारत का पहला मैच 3 को जापान से

भारत का पहला मैच 3 सितम्बर को जापान तथा 4 सितंबर को जॉर्डन से होगा। प्रतियोगिता का फाइनल 14 सितम्बर को है। ऐसे में शुक्रवार को हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया महासचिव डॉ. तेजराज सिंह खंगारोत, राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ मानद सचिव यश प्रताप सिंह, अंतरराष्ट्रीय कोच प्रियदीप सिंह, इंडियन व्हीलचेयर टीम कोच आनंद माने व हनुमानगढ़ जिला हैंडबॉल संघ कोषाध्यक्ष डॉ. राय सिंह ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए मोटिवेट किया।

भारतीय पुरुष यूथ हैंडबॉल टीम

रिदम शर्मा (कप्तान)-जम्मू कश्मीर, पीयूष सिंह (उपकप्तान)-चंडीगढ़, महेंद्र पाल सिंह भाटी, कृतवर्य प्रताप सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह, कृष कलाल (राजस्थान), नवदीप, नवीन कुमार, जसमीत, एकांत, अमन, जिज्ञासु (हरियाणा), मणिकंदन ज्ञानसेगरन (पुडुचेरी), आदित्य चंद्रकात प्रधान (महाराष्ट्र), मन्नत गौतम (हिमाचल प्रदेश), ध्रुव सेठ (जम्मू-कश्मीर), आदित्य संतोषानंद तिवारी (मुंबई हैंडबॉल अकादमी), निलय (दिल्ली), कुणाल (चंडीगढ़), तिरुपति आदे (तेलंगाना), सैयद समीउल्लाह यासीन, रमन अरमुगम (तमिलनाडु)। मुख्य कोच मोहम्मद तौहीद (उत्तर प्रदेश), कोच:- शमशेर सिंह (हरियाणा), मोहम्मद हकीम (झारखंड), सहायक कोच:- चंद्रशेखर (राजस्थान) होंगे।

अच्छा स्वास्थ्य और अच्छी समझ जीवन के सर्वोत्तम वरदान है।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

गाजा में दवाएं लेकर जा रहे काफिले पर इजराइली सेना का हमला

वाहनों के परखच्चे उड़े, कई लोगों की मौत

■ वाहन रफाह में अमीरात रेड क्रिसेंट अस्पताल के लिए ले जा रहे थे सामग्री

एजेंसी | तेल अवीव/दुबई

इजराइली सेना ने गाजा में चिकित्सीय सामग्री ले जा रहे काफिले पर घातक हमला किया है। इसमें तमाम वाहनों के परखच्चे उड़ने और कई लोगों की मौत होने का दावा किया गया है।

हालांकि मरने वालों की स्पष्ट संख्या नहीं बताई गई है। बताया जा रहा है कि इजरायली सेना ने एक मिसाइल हमले में गाजा पट्टी के अस्पताल में चिकित्सकीय सामग्री और ईंधन ले जा रहे एक काफिले को निशाना बनाया। इस हमले में स्थानीय परिवहन कंपनी के कई लोगों की मौत हो गई। एक सहायता समूह ने यह जानकारी दी।

वहीं, इजराइल ने दावा किया कि बंदूकधारियों द्वारा काफिले पर कब्जा करने के बाद उसने यह हमला किया। फिलिस्तीन क्षेत्र के लिए सहायता समूह 'एएनईआरए' की निदेशक सांद्रा रशीद ने कहा कि इस हमले में एक परिवहन कंपनी में कार्यरत कई लोग मारे गए, जिसके वाहनों में सहायता समूह रफह में अमीरात रेड क्रिसेंट अस्पताल के लिए सामग्री ले जा रहे थे। यह हमला गुरुवार को गाजा पट्टी में सलाह अल-दीन रोड पर हुआ और काफिले के पहले वाहन को निशाना बनाया गया।

हमले के बावजूद कई वाहनों ने अस्पताल तक पहुंचा दी दवाएं

रशीद ने एक बयान में कहा, 'इस बर्बर घटना के बावजूद, काफिले में शेष वाहन आगे बढ़ सके और अस्पताल में सहायता आपूर्ति सफलतापूर्वक पहुंचा पाए। हम इस बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं कि वास्तव में क्या हुआ था।' इजराइल सेना ने शुक्रवार को एसोसिएटिड प्रेस द्वारा टिप्पणी के लिए किये गए अनुरोध पर तत्काल कोई जवाब नहीं दिया। हालांकि, इजराइली सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एविचे आद्रेई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बंदूकधारियों ने काफिले के आगे वाली एक जीप पर कब्जा कर उसे चलाना शुरू कर दिया। उग्रवादियों के वाहन पर हमला करने की संभावना की पुष्टि के बाद निशाना साधा गया, क्योंकि काफिले के शेष वाहनों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा और वे योजना के अनुरूप अपने लक्ष्य तक पहुंच गए।

इस्लामिक जिहाद के कमांडर को मस्जिद में मार गिराया

इजराइली सेना ने अपने कब्जे वाले 'वेस्ट बैंक' में व्यापक अभियान के दौरान एक स्थानीय कमांडर समेत पांच और आतंकियों को मार गिराने का दावा किया है। इजराइल का कहना है कि मंगलवार देर रात से उत्तरी वेस्ट बैंक में चलाया गया सैन्य अभियान हमलों को रोकने के लिए है। इजराइल सेना की तरफ से कहा गया है कि अभियान में कुल 16 लोग मारे गए हैं, जिनमें अधिकतर आतंकी थे। फिलिस्तीन इस अभियान को इजराइल की तरफ से जंग को बढ़ाने के रूप में देख रहा है। इस अभियान के दौरान इजराइल ने आतंकी संगठन इस्लामिक जिहाद मूवमेंट से जुड़े एक कमांडर और 4 अन्य आतंकियों को मस्जिद में मार गिराया है। इजराइल का कहना है कि उसने गुरुवार को वेस्ट बैंक इलाके में हमला किया था, जिसमें ये लोग मारे गए हैं।

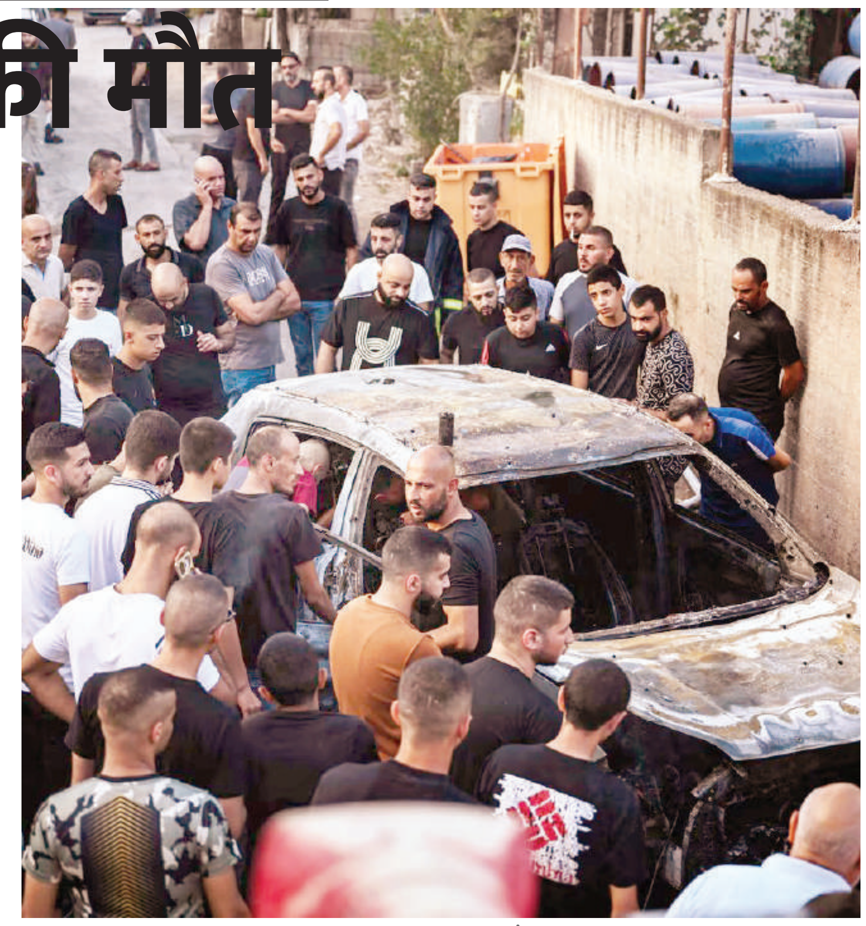

तुलकारेम शहर की घटना

इजराइली सेना ने कहा कि तुलकारेम शहर में एक मस्जिद के पास फायरिंग हुई, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में इन लोगों को मार गिराया गया। इस्लामिक जिहाद की सशस्त्र विंग ने मुहम्मद जाब्बर के मारे जाने की पुष्टि की है। इसके साथ ही बीते दो दिनों में इजराइली हमले में मारे गए फिलिस्तीनियों की संख्या 17 हो गई है। इजराइली सेना अबू उबैदा मस्जिद के पास यह अटैक किया था, जिसमें ये लोग मारे गए हैं। यह ऑपरेशन बुधवार को सुबह शुरू हुआ था, जिसमें इजराइली सैनिकों ने ड्रोन्स और अन्य हथियारों की मदद से हमला किया। इजराइल की सेना ने कहा कि कई जगहों पर आतंककियों के साथ झड़प हुई, जिसमें उन्हें मार गिराया गया।

एक आतंकी गिरफ्तार

इजराइली सेना ने कहा कि गुरुवार को हुई मुठभेड़ में मोहम्मद जाब्बर और चार अन्य आतंकी मारे गए जो एक मस्जिद में छिपे हुए थे। सेना ने कहा कि मोहम्मद जाब्बर जून में हुई घातक गोलीबारी सहित इजराइल के नागरिकों पर कई हमलों में शामिल था, वह आगे और भी हमले करने की साजिश रच रहा था। सेना ने कहा कि 'वेस्ट बैंक' के शहर तुलकारेम में अभियान के दौरान एक अन्य आतंकी को गिरफ्तार भी किया गया है।

इजराइल का एक जवान हुआ घायल

मुठभेड़ के दौरान इजराइल की अर्धसैनिक सीमा पुलिस का एक सदस्य मामूली रूप से घायल हो गया है। इजराइल ने बुधवार को वेस्ट बैंक में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास ने कहा कि उसके 10 लड़ाके अलग-अलग स्थानों पर मारे गए हैं। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने 11वें व्यक्ति की मौत की सूचना दी है लेकिन उसने यह नहीं बताया कि वह लड़ाका था या आम नागरिक।

तूफान 'शानशान' के प्रभाव से जापान बेहाल

टोक्यो के बाढ़ के हालात

एजेंसी | तोक्यो

जापान के अधिकतर हिस्सों में शानशान तूफान का व्यापक असर देखने को मिल रहा है। तूफान की वजह से तोक्यो के आसपास भारी बारिश हुई है। दक्षिणी जापान में सड़कें और नदी के किनारे वाले इलाके जलमग्न हो गए हैं।

तोक्यो के पश्चिम में कानागावा प्रान्त के कई क्षेत्रों में बाढ़ की सूचना है, जहां सड़कें अवरुद्ध हो गईं और यातायात बाधित हो गया। तोक्यो, कानागावा और निकटवर्ती शिजुओका प्रान्त में भारी बारिश तथा भूस्खलन के खतरे की चेतावनी जारी की गई है। सरकारी चैनल में प्रसारित फुटेज में दिख रहा है कि तोक्यो में चेरी ब्लॉसम देखने के लोकप्रिय स्थलों में से एक मेगुरो नदी में कीचड़ वाला पानी बह रहा है और जलस्तर सामान्य से काफी ऊपर है।

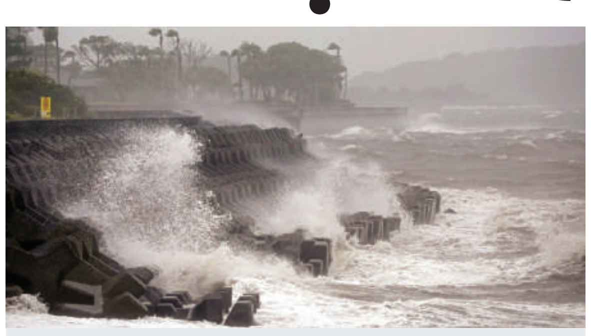

बढ़ जाता है आपदा का खतरा

तूफान 'शानशान' ने बृहस्पतिवार सुबह क्यूशू के दक्षिणी मुख्य द्वीप पर दस्तक दी थी। उस समय यह काफी शक्तिशाली था लेकिन बाद में धीरे-धीरे कमजोर होता चला गया। हालांकि, इसके आगे बढ़ने की रफ्तार काफी कम है और शुक्रवार की सुबह यह क्यूशू के उत्तरपूर्वी तट से कुछ ही दूरी पर सक्रिय था। विशेषज्ञों का कहना है कि तूफान की धीमी गति के कारण बारिश की मात्रा और अवधि बढ़ जाती है जिससे आपदा का खतरा पैदा हो जाता है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि 'शानशान' 72 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवा के साथ शिकोकू और होन्शू मुख्य द्वीपों की तरफ पूर्व में बढ़ रहा है, लेकिन इसके आगे बढ़ने की गति सिर्फ 10 किलोमीटर प्रति घंटा है।

दिखा व्यापक असर

क्यूशू क्षेत्र में लगभग 80 लोगों के घायल होने की सूचना है। घायलों में अधिकतर लोग मियाजाकी और कागोशिमा के हैं। इसके अलावा दो लोग लापता हैं। दक्षिण-पश्चिमी शहरों को जोड़ने वाली सैकड़ों घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। शुक्रवार को तोक्सो और ओसाका के बीच शिंकानसेन बुलेट ट्रेन की सेवा को रोक दिया गया है। डाक और सामान पहुंचाने वाली सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। क्यूशू और शिकोकू के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों में सुपरमार्केट और अन्य दुकाने बंद कर दी गई हैं। 'टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन' और 'माजदा मोटर कॉर्पोरेशन' सहित ऑटोमोबाइल निर्माताओं ने प्रभावित क्षेत्रों में अपने कारखानों को शुक्रवार तक बंद कर दिया।

पाक ने लगाई ड्रैगन की गुलामी की मुहर

चीन से डील, भारत के लिए चिंता!

एजेंसी | इस्लामाबाद

गले तक कर्ज में डूबे पाकिस्तान ने इस बात पर मुहर लगा दी है कि वह चीन के अहसानों तले दबा हुआ है। पाकिस्तान ने चीन के प्रति अपनी वफादारी एक बार फिर साबित की है।

हाल ही में पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बोली लगाने की जरूरतों को नजरअंदाज करते हुए चीन को सीधे 2 अरब अमेरिकी डॉलर का एक अहम सड़क निर्माण का ठेका दे दिया है।

ये ठेका काराकोरम हाईवे के थाकोट-रायकोट सेक्शन के पुनर्निर्माण के लिए दिया गया है, जो चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये कदम भारत के लिए चिंता का सबब हो सकता है क्योंकि ये इलाका भारत के बेहद करीब है।

ठेका सीधा चीनी कंपनियों को सौंपा

पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब की अगुवाई वाली आर्थिक समन्वय समिति ने एक खास नियम का सहारा लेकर अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक बोली लगाने की जरूरत को हटाकर ये ठेका सीधे चीनी कंपनियों को सौंप दिया। इस फैसले से पाकिस्तान और चीन के बीच मजबूत होते गठजोड़ की झलक मिलती है, जो भारत के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। काराकोरम हाईवे का थाकोट-रायकोट सेक्शन चीन और पाकिस्तान के बीच जमीनी कनेक्टिविटी बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है।

चीन के प्रभाव को बढ़ाने की साजिश

ये हाईवे भारत की सीमा के करीब है और इसके पुनर्निर्माण में चीन की बढ़ती भूमिका भारत के लिए एक गंभीर सुरक्षा चिंता बन सकती है। यह इन इलाकों में चीन के प्रभाव को और मजबूत करने का इरादा रखता है। यह चीन की रणनीतिक योजना का हिस्सा है, जो भारत की सुरक्षा के लिए सीधी चुनौती पेश कर सकती है। भारत के लिए चिंता का विषय ये है कि पाकिस्तान ने अपने सार्वजनिक खरीद नियमों को दरकिनार कर चीन को ये ठेका दे दिया है। ये फैसला अंतरराष्ट्रीय मानकों के खिलाफ है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl